दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

वर्ष-4, अंक-218 | जयपुर, शुक्रवार 25 सितंबर, 2026 | मूल्य : 5.00 पेज:

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार

प्रदेश के ताजा समाचार

अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत

7014997449, 9636058201

Email : deshkadarpannews@gmail.com

web.: www.deshkadarpannews.co

ज्ञानेश कुमार देशद्रोही, मुख्य चुनाव आयुक्त पद से दें इस्तीफा: राहुल

राहुल गांधी की सलाह- ज्ञानेश कुमार गवाह बन जाएं, बोले- हमें गड़बड़ी पता है, खुलासा करेंगे

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी करीब सवा घंटे की देरी से शुरू हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल ने कहा कि भारत में मौलिक बल है जिसे एंटी इन्कंबेंसी कहा जाता है जो कि काफी जल्दी किसी भी सरकार के प्रतिरोध में खड़ी हो जाती है। इससे कोई नहीं बचता। इंदिरा गांधी जी बांग्लादेश युद्ध जीत जाती हैं वे अपने लोकप्रियता के चरम पर होती हैं और इसके बाद सिर्फ दो-तीन साल में ही उनके खिलाफ एंटी-इन्कंबेंसी पैदा हो जाती है। ऐसा कई और कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों के साथ होता है। लेकिन यह नरेंद्र मोदी और अमित शाह समेत किसी भाजपा नेता के साथ आज नहीं होता। राहुल गांधी ने कहा कि वह बिना आधार के कोई बात नहीं कह रहे हैं, बल्कि उन्होंने अपने दावों को सबूत के साथ सामने रखा है। उन्होंने दावा किया कि उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह 100 प्रतिशत स्पष्ट है कि भारत के चुनाव, 2024 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों में गड़बड़ियां हो रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी चुनावों में धांधली की। वोट चोरी से लोकतंत्र कमजोर हुआ है। राहुल ने पहले की तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने आयोग को सरकार की 'बी टीम' भी कहा था। भाजपा के साथ वोट चोरी करने का आरोप लगाया था।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में 50 साल से लगातार अलग-अलग सरकारों में रही एंटी-इन्कंबेंसी खत्म हो जाती है। महाराष्ट्र में खत्म हो जाती है। गुजरात में नहीं रहती। कई और राज्यों में भी ऐसा ही होता है। हमें यह नहीं समझ आता है कि एंटी-इन्कंबेंसी खत्म कैसे हो जाती है। लेकिन फिर समझ आता है कि इराक में एंटी-इन्कंबेंसी नहीं होती। उत्तर कोरिया में एंटी-इन्कंबेंसी नहीं होती। तब हमें दिखता है कि जहां लोकतंत्र नहीं होता, वहां एंटी-इन्कंबेंसी नहीं होती है। राहुल ने आगे कहा 'अगर आप वोट को खत्म कर दें तो हमारा संविधान भी तबाह हो सकता है। उसे अपनी ताकत नहीं मिलती, वह कार्य नहीं कर सकता। अगर हमारा संविधान तबाह हो जाए तो हमारे कानून अवैध हो जाते हैं और अगर कानून ही वैध न रहे तो संस्थान भी बर्बाद हो जाते हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। आपने जो किया है वह भारत देश के खिलाफ है। यह सिर्फ चुनाव में छोटी-मोटी गड़बड़ी नहीं है। यह वोटिंग सिस्टम पर हमला है।

राहुल गांधी, नेता विपक्ष लोकसभा

भारत के चुनाव, लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव में गड़बड़ियां हो रही: राहुल गांधी

हम काफी समय से कह रहे हैं कि यहां वोट के साथ लंबे समय से परेशानी चल रही है। चुनाव आयोग ऐसा संस्थान है, जिसकी जिम्मेदारी लोगों के वोट को सुरक्षित करने की है।' राहुल ने कहा कि इस बात की स्पष्टता है कि भारत के चुनाव, लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव में गड़बड़ियां हो रही हैं। दो चुनाव आयुक्त आज मुख्य चुनाव आयुक्त- ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुना है। अब दो चुनाव आयुक्त कह रहे हैं कि ज्ञानेश कुमार उस नुकसान के लिए जिम्मेदार हैं, जो हमारे वोटिंग सिस्टम में हुई है। वोट चोरी से आती है कानून चोरी और कानून चोरी से आती है संस्था चोरी। यह चेन पूरे देश में चल रही है। आज वोट गया, तो पूरा कानून बनाने वाला सिस्टम गया। अगर चुने गए सांसद चोरी हुए वोट से संसद में बैठे हैं और वही चोरी के वोट से जीते हुए सांसद कानून बना रहे हैं तो वह जो भी कानून बना रहे हैं वह भी अवैध है। वह जो भी संस्थागत बदलाव कर रहे हैं वह भी अवैध है। अगले छह महीनों में यह बिल्कुल ब्लैक एंड व्हाइट होगा आपके लिए। राहुल ने कहा कि हमारे कानून भी गैरकानूनी हो गए।

ये सिर्फ वोट पर हमला नहीं है। ये बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला है, जो लोगों को अपना नेता चुनने का अधिकार देता है। वोटों की रक्षा करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। अगर वोट खत्म हो गया, तो संविधान काम नहीं कर रहा है।

'सीईसी ज्ञानेश कुमार को पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए'

1947 से आज तक हम वहां नहीं बैठे, जहां हम आज बैठे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पहली चीज जो हम कह रहे हैं वह यह कि सीईसी ज्ञानेश कुमार को पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। मैं उनसे कहना चाहूंगा कि आप समझें कि क्या हो रहा है। आपने जो किया है वह भारत देश के खिलाफ है। यह सिर्फ चुनाव में छोटी-मोटी गड़बड़ी नहीं है। यह वोटिंग सिस्टम पर हमला है। आप वह व्यक्ति हैं, जिन्हें वोटों को सुरक्षित करने का जिम्मा मिला था। हमारे पास इतने सबूत हैं कि हम वोट चोरी को साबित कर सकते हैं। हम लोकतंत्र को भारत में तबाह नहीं होने देंगे और इस गड़बड़ी में शामिल हर एक व्यक्ति को सजा मिलेगी। दो चुनाव आयुक्त अब साफ होकर सामने आए हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि ज्ञानेश कुमार को खुद सोचना चाहिए और इन गड़बड़ियों का गवाह बनना चाहिए। हमें गड़बड़ी पता है और हम इनका खुलासा करेंगे। उन्हें भी यह पता है कि हमें सबकुछ पता है। आज जो हो रहा है उसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भी जांच होगी। यह दोनों लोग इस साजिश के शीर्ष पर हैं।

अगर आप वोट को खत्म कर दें तो हमारा संविधान भी तबाह हो सकता है। उसे अपनी ताकत नहीं मिलती, वह कार्य नहीं कर सकता। अगर हमारा संविधान तबाह हो जाए तो हमारे कानून अवैध हो जाते हैं।

जो व्यक्ति वोट को तबाह करता है वह देशद्रोही है: राहुल

यह भारत देश के खिलाफ कार्य है। हम चुप रहने से इनकार करते हैं और चुप बैठने से भी इनकार करते हैं। देशद्रोही हैं ये सब, जो व्यक्ति वोट को तबाह करता है वह देशद्रोही है। आपने देखा है कि 2023 में यह सब कह रहा हूं और मैंने हमेशा तथ्यों के साथ यह बात कही है।

मैंने हर बार तथ्य रखे हैं और देश के लोग यह जानते हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने इस देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला किया है।

क्या है पूरा मामला?

इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'संविधान के दुश्मनों का पर्दाफाश हो गया है। न्याय जरूर होगा। मैं शाम चार बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करूंगा।' बता दें कि राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को बताया था कि शाम चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं, जब चुनाव आयोग के भीतर ही एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में आवाज उठी है। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग के कामकाज और फैसले लेने की प्रक्रिया को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भारत में बीमा क्षेत्र का विकास : 2014 से 2026 तक

(सी.ए.) डॉ. शंकर घनश्यामदास अंदानी

बीमा आर्थिक विकास की ऐसी व्यवस्था है जिसमें व्यक्ति आज थोड़ी राशि किस्त (प्रीमियम) के रूप में देता है और भविष्य में मृत्यु, बीमारी, दुर्घटना, वाहन क्षति, फसल नुकसान या अन्य जोखिम होने पर आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करता है। 2014 से 2026 के बीच भारत में जीवन, स्वास्थ्य, मोटर, कृषि, संपत्ति और सामाजिक सुरक्षा बीमा का विस्तार हुआ है। लेकिन सामान्य उपभोक्ता के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि बीमा वास्तव में लाभ देता है या केवल व्यय बढ़ाता है। इसका उत्तर बीमा के प्रकार, किस्त, सुरक्षा-दायरा (कवरेज) और दावा मिलने की स्थिति पर निर्भर करता है।

बीमा बाजार का विस्तार

शासकीय जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 41.84 करोड़ बीमा पॉलिसियां (बीमा पत्र) जारी हुईं और कुल किस्त लगभग ?11.93 लाख करोड़ रही। बीमा कंपनियों ने इसी वर्ष लगभग 8.36 लाख करोड़ के दावे चुकाए। बीमा क्षेत्र की कुल संपत्ति प्रबंधन राशि 31 मार्च 2025 को ?74.44 लाख करोड़ थी। बीमा पहुँच 3.7 प्रतिशत और बीमा घनत्व लगभग 97 अमेरिकी डॉलर रहा। (सूचना प्रसारण मंत्रालय / पी.आई.बी.) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के पास 2013-14 से लेकर 2024-25 तक के बीमा सांख्यिकी पुस्तिका (हैंडबुक) और वार्षिक आंकड़े उपलब्ध हैं, जिससे लंबी अवधि में क्षेत्र के विस्तार का अध्ययन किया जा सकता है।

जीवन बीमा : परिवार को सुरक्षा

जीवन बीमा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कमाने वाले व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक सहायता मिल सकती है। 2015 में शुरू प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ने कम किस्त में जीवन सुरक्षा को व्यापक बनाया। अप्रैल 2026 तक इस योजना में 27.43 करोड़ से अधिक कुल नामांकन और 21,512.50 करोड़ से अधिक दावों का भुगतान दर्ज किया गया। इससे पता चलता है कि निर्धन और निम्न आय वाले परिवारों के लिए कम लागत वाला बीमा वास्तविक आर्थिक सुरक्षा दे सकता है। लेकिन पॉलिसी की अवधि, उम्र की सीमा और नवीनीकरण जैसी शर्तें समझना आवश्यक है।

दुर्घटना बीमा : कम व्यय में सुरक्षा

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना दुर्घटना से मृत्यु या विकलांगता के लिए कम किस्त में सुरक्षा देती है। अप्रैल 2026 तक इसके 58.09 करोड़ से अधिक कुल नामांकन और 1,84,662 दावों पर 3,667.52 करोड़ भुगतान दर्ज हुआ।

सामान्य मजदूर, किसान, चालक और असंगठित क्षेत्र के कामगार के लिए ऐसी सुरक्षा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि दुर्घटना से परिवार की आय अचानक बंद हो सकती है।

टीएमसी के नाम और चुनाव चिन्ह विवाद पर निर्वाचन आयोग को जल्द फैसला करने का निर्देश

नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि वो ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और उसके चुनाव चिन्ह के विवाद पर जल्द फैसला करे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने निर्वाचन आयोग से कहा कि वो एक तय समय में इस पर फैसला करें। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि निर्वाचन आयोग इस मामले पर फैसला करने में देरी कर रहा है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि इस मामले पर निर्वाचन आयोग को रोजाना सुनवाई करनी चाहिए। उसके बाद कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से पूछा कि आपको इस मामले में फैसला करने के लिए कितना समय चाहिए। आप एक समय-सीमा बताइए। सबको अपना पक्ष रखने का समय मिलना चाहिए, लेकिन आप इसे लंबा नहीं खींच सकते हैं।

ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के दो विरोधी गुटों के बीच विवाद के चलते पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया गया था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत को प्रतिवादी बनाया

निर्वाचन आयोग ने 18 सितंबर को दोनों विरोधी गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिन्ह आवंटित करने का आदेश दिया था। 17 सितंबर को निर्वाचन आयोग ने विवाद पर अंतिम फैसला होने तक दोनों समूहों को ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस नाम और उसके आरक्षित चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने से रोक दिया था। अपने अंतरिम आदेश में निर्वाचन आयोग ने ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं का पक्ष सुनने के बाद कहा कि इस मामले में चुनाव चिन्ह के आरक्षण और आवंटन के प्रावधानों के तहत आयोग द्वारा ठोस निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है। याचिका में ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी को प्रतिवादी बनाया है। जून में 58 बागी विधायकों ने ममता गुट के उम्मीदवार सोवनदेब चट्टोपाध्याय की जगह पार्टी से निकाले गए नेता ऋतब्रत बनर्जी को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना और स्पीकर से मान्यता भी हासिल कर ली। पार्टी के 28 साल के इतिहास में यह पहली बार था जब उसमें फूट पड़ी। कुछ ही दिन बाद ये बगावत संसद तक पहुंच गई। काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में 20 लोकसभा सांसदों ने कम जानी-मानी एनसीपीआई का दामन थाम लिया और स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को एक अलग गुट के तौर पर समर्थन दिया, जिससे पार्टी के संसदीय खेमे में दरार और गहरी हो गई।

सेवा करते-करते ही सेवा का संदेश दें, उपदेश नहीं : पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सेवा ही मुख्य मकसद होना चाहिए और सेवा का संदेश, उपदेश देकर नहीं बल्कि अपने आचरण और काम के जरिए देना चाहिए। उन्होंने सेवा संकल्प यात्रा में शामिल युवाओं से कहा कि राजनीति में कितनी भी बड़ी सत्ता या ऊंचाई हासिल हो जाए, उनका रास्ता सेवा का ही रहना चाहिए और वे कभी सेवा के मार्ग से विचलित न हों। प्रधानमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद के दौरान कहा, सेवा करते-करते सेवा का संदेश देना है, सेवा का उपदेश नहीं देना है। हम सेवा कर-करके ही सेवा का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि लोगों को उनके आचरण से दिखना चाहिए कि सत्ता कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, सेवा ही उनका मार्ग रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वडनगर और वाराणसी दो प्राचीन एवं जीवंत शहर हैं। एक उनकी जन्मभूमि है और दूसरा कर्मभूमि। इन दोनों शहरों के बीच सेवा का यह बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 20 टोलियां 10 राज्यों के 193 जिलों, 773 तहसीलों और 10,159 गांवों से होकर गुजर रही हैं। यात्रा की कुल लंबाई करीब 35,576 किलोमीटर है और इसमें 380 रात्रि पड़ाव निर्धारित किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान ग्राम सभाओं, लाभार्थियों और आम नागरिकों से संवाद, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सेवा गतिविधियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में यात्रा और सेवा दोनों सामाजिक संस्कारों से जुड़े रहे हैं।

दिल्ली में 'पनीर' के नाम पर अब नहीं बिकेगा एनालॉग पनीर

नई दिल्ली/एजेंसी

नकली और मिलावटी पनीर के खिलाफ दैनिक जागरण के अभियान के बाद एनालॉग पनीर को पनीर के नाम से बनाने और बेचने पर रोक संबंधी गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इसी के साथ राजधानी में एनालॉग पनीर की बिक्री और निर्माण अब पूरी तरह से कानूनी दायरे में आ गई है। उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी की जा सकती है।

ताबड़तोड़ किया गया काम

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर प्रतिषेध और निर्बंधन) विनियम, 2011 में संशोधन का मसौदा जारी किया है। अधिसूचना 22 सितंबर को जारी हुई और 23 सितंबर को भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई। एफएसएसएआई की अधिसूचना सूची में इसे 24 सितंबर को दर्ज किया गया है। गजट नोटिफिकेशन एफएसएसएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजित पुनहानी ने जारी किया। इसमें स्पष्ट किया गया है कि दूध से प्राप्त घटकों से निर्मित नहीं किया गया पनीर बनाने और बेचने पर रोक संबंधी प्रावधान किया जा रहा है।

देशद्रोह के लिए ज्ञानेश कुमार पर चले आपराधिक मुकदमा: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वे वोटर लिस्ट में छेड़छाड़ और वोटरों के नाम हटाने के लिए जिम्मेदार पाए जाते हैं तो उन पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी रिपोर्ट के एक दिन बाद आई है, जिसमें दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (रक्फ़) से जुड़े फैसलों और आदेशों पर औपचारिक रूप से आपत्ति जताई थी।

'अगर ऐसा किया है तो ये एक आपराधिक कृत्य है'

केरल के वायनाड में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, "जो कोई भी हमारे चुनावों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ छेड़छाड़ करता है, वह देश के खिलाफ देशद्रोह करता है। हमारा रुख बिल्कुल साफ है। मुझे नहीं लगता कि उस पद पर बैठे किसी व्यक्ति को उस तरह का कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए जैसा उन्हें मिला हुआ है। अगर उन्होंने गैर-कानूनी काम किए हैं क्योंकि वोटर लिस्ट में छेड़छाड़ करना, 13 करोड़ वोटरों के नाम हटाना तो मेरा मानना है कि लोकतंत्र, संविधान और देश के खिलाफ एक आपराधिक कृत्य है।" कांग्रेस सांसद ने कहा, "चूंकि आपराधिक कृत्य एक खास कानून के दायरे में आते हैं और ऐसे काम करने वाले लोगों पर आम तौर पर मुकदमा चलाया जाता है और उन्हें सजा दी जाती है।

इसलिए मुझे समझ नहीं आता कि चुनाव आयुक्त को इससे कोई संरक्षण क्यों मिलना चाहिए।"

उन्होंने आगे कहा, "अगर उन्होंने कोई गैर-कानूनी काम किया है तो उन्हें पूरी तरह पता था कि यह सब उनकी नाक के नीचे हो रहा है।

उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रमुख खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सोयाबीन, पामऑयल और सनफ्लावर जैसे प्रमुख खाद्य तेलों पर लगने वाले आयात शुल्क में भारी कटौती की है। नई दरें 24 सितंबर से लागू हो गई हैं। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक कच्चे सूरजमुखी के तेल पर मूल सीमा शुल्क को 10 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे पाम तेल पर बीसीडी 10 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने संबंधित परिष्कृत खाद्य तेलों पर लागू बीसीडी को कम कर दिया है, जबकि कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क का अंतर 19.25 फीसदी बनाए रखा

सीजेपी के संस्थापक दीपके ने मांगा सीईसी का इस्तीफा; जंतर मंतर पर फिर धरने की दी चेतावनी

नई दिल्ली/एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी ने गुरुवार को चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है, और चेतावनी दी कि अगर 48 घंटे के अंदर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो जंतर मंतर पर फिर से धरना देंगे। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सीईसी ने वोटर लिस्ट के एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच लोकतंत्र को कमजोर किया है।

ज्ञानेश कुमार देशद्रोही है-दीपके

दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त सबसे बड़े देशद्रोही हैं। ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े देशद्रोही है।' दीपके ने कहा, 'उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि वह भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।'

दीपके ने वोट देने के हकदार लोगों को तय करने में चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा, 'हमारे देश में लोकतंत्र का क्या मतलब था? लोकतंत्र का मतलब था कि जनता सरकार चुनेगी। जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, सरकार यह तय कर रही है कि किसे वोट देने की इजाजत होगी और किसे नहीं।'

दीपके ने सवाल पूछते हुए कहा,'क्या यह लोकतंत्र है? लोकतंत्र की यह कैसी परिभाषा है? आपने लोकतंत्र की पूरी अवधारणा को ही उलट-पुलट कर दिया है।' ये बयान चुनाव आयोग के कामकाज और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चल रहे बड़े राजनीतिक विवाद के बीच आया हैं। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक 29 सितंबर को नई दिल्ली में होनी है, जिसमें इस मुद्दे और मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी।

प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल एवं पशु चारा की उपलब्धता पर जिला प्रशासन की लगातार निगरानी

वैशाली जिले में बाढ़ की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ-साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, आवश्यक सामग्री के वितरण तथा आवागमन की व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए राहत कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है।

वर्तमान में जिले में कुल 32 पूर्ण प्रभावित पंचायत, 02 नगर निकाय, 93 पूर्ण प्रभावित गाँव तथा 12 पूर्ण प्रभावित वार्ड चिन्हित किए गए हैं। इन क्षेत्रों में अब तक कुल 3,44,883 आबादी प्रभावित हुई है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं आवश्यक आवागमन के लिए वर्तमान में 06 सरकारी नावों का परिचालन किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य लगातार जारी है। अब तक 48,505 पॉलिथीन शीट, 1,482 फूड पैकेट, 19,684 ड्राई राशन तथा 5,000 मेडिकल किट उपलब्ध कराए/वितरित किए गए हैं।

प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार राहत सामग्री की उपलब्धता एवं वितरण की लगातार समीक्षा की जा रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में 01 स्वास्थ्य शिविर संचालित है तथा अब तक 23,019 मरीजों का उपचार किया जा चुका है। जलजनित बीमारियों एवं संक्रमण की रोकथाम के लिए अब तक 8,705 किलोग्राम ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग/वितरण किया गया है। साथ ही 18,481 हैलोजन टैबलेट भी वितरित किए गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई एवं संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई लगातार की जा रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के स्वास्थ्य एवं चारा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। अब तक 6,170 पशुओं का उपचार किया गया है तथा 1,16,320 किलोग्राम पशु चारा वितरित किया गया है। वर्तमान में कोई पशु शिविर संचालित नहीं है। आवश्यकता उत्पन्न होने पर संबंधित क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि बाढ़ की स्थिति में सुधार के बावजूद सावधानी बरतना आवश्यक है। नागरिक नदी, जलधारा एवं कटाव वाले क्षेत्रों के समीप अनावश्यक रूप से न जाएँ तथा तटबंध, कमजोर भूमि एवं संभावित कटाव वाले स्थानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

बच्चों एवं बुजुर्गों को जलभराव एवं खतरनाक स्थानों के आसपास न जाने दें। तटबंध अथवा सड़क में दरार, धंसान या कटाव दिखाई देने पर तत्काल संबंधित पदाधिकारी को सूचना दें।

रियांबड़ी नगर पालिका में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण समारोह हुआ आयोजित,चैयरमेन

सुनील चौहान संभाला पदभार

मेड़ता सिटी।(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ रियांबड़ी नगर पालिका को गुरुवार को नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष मिल गए। इस दौरान अध्यक्ष और पार्षदगण का पदभार समारोह आज सुबह 10 बजे नगर पालिका के पास आयोजित हुआ।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील चौहान ने गुरुवार को विधिवत रूप से अपना पदभार संभाला।

अध्यक्ष सुनील चौहान ने पदभार संभालने के बाद नगर के विकास और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने बताया कि साफ-सफाई, सड़क, पीने का पानी, नालियों और रोशनी सहित आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए प्राथमिकता से काम किया जाएगा।

समारोह में मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू मुख्य अतिथि के रूप से शिरकत की। कार्यक्रम में चुनाव संयोजक मदनलाल गौरा, विधि संयोजक एडवोकेट रामकिशोर तिवाड़ी, मंडल अध्यक्ष भंवर सिंह राठौड़, समाज सेवी अशोक कुमार सैनी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

सोजत। पदभार संभालते ही एक्शन मोड में पालिकाध्यक्ष कीर्ति तंवर

अकरम खान, सोजत सिटी। नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति राजेश तंवर ने पदभार ग्रहण करते ही शहर की व्यवस्थाओं को लेकर सक्रियता दिखाई। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणपति विसर्जन से पूर्व पालिकाध्यक्ष ने रामेलाव तालाब का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की आस्था के साथ सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

नगरपालिका अध्यक्ष कीर्ति तंवर ने गणपति विसर्जन कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने तालाब परिसर में आवश्यक व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने शहर की सड़कों की साफ-सफाई तथा सुचारु आवागमन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

न.पा.अध्यक्ष ने कहा कि नगरपालिका से संबंधित कार्य आमजन के लिए सरल एवं सुविधाजनक होने चाहिए। उन्होंने आगामी आयोजनों को लेकर अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगरपालिका ईओ राघव मीणा सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पालिकाध्यक्ष को गणपति विसर्जन आयोजन को लेकर की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं से अवगत कराया।

इस मौके पर ओबीसी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता राजेश तंवर, कन्हैयालाल ओझा, हीरालाल काठेड़, महेंद्र टांक, दीपक पंवार, आकाश बोराणा, गोपीकिशन राठौड़ सहित नगरपालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

प्राकृतिक जैविक खेती करने को लिये तरह तरह तरीके अपनाए जा रहे हैं

बिहार के वैशाली जिले अन्तर्गत विभिन्न हाजीपुर, लालगंज, वैशाली,पटेढ़ी बेलसर, भगवानपुर, गोरौल, महुआ, राजापाकड़, देसरी, सहदेई, महनार राघोपुर जंदाहा, पातेपुर, समेत चेहराकलां

प्रखंडों में प्राकृतिक जैविक खेती करने के लिए तरह तरह के तरीके अपनाए जा रहे हैं। ताकि खेतों में पूर्व की भांति उर्वरा शक्ति कायम हो सके।

उक्त बातें को पंचायत भवन बस्ती सरसिकन के प्रांगण में आयोजित किसान गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी शशि प्रकाश ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया मुन्नी देवी ने की

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि कार्बन बढ़ाने के लिए के गोबर,गौ मूत्र, ,नीम की पत्तियां,सड़े गले पत्तियों वाले जगहों से मिट्टी लेकर एक ड्रम में रखकर कुछ गुड़, गेहूं के आटा आदि पानी के साथ मिलाकर तीन से चार माह तक छोड़कर दें। तैयार उक्त मिट्टी को हल्का पानी वाले खेतों में डालने खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ जाती है। जिससे डी ए पी खाद से बचाव हो जाता है।

जिनमें बीटीएम धीरेन्द्र कुमार, पूर्व प्रमुख इन्द्रजीत प्रधान

कृषि समन्वयक विनय कुमार, गोपाल कुमार, बिपिन कुमार दिलीप कुमार, किसान सलाहकार तपन कुमार, राकेश कुमार, चन्द्रीका प्रसाद गहलोत, समेत अन्य में कृषक रामनंदन सिंह, सकल राय,राम बाबु पासवान, नागेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे ।

सुंदरकांड का हुआ आयोजन,भजन कीर्तन के बाद बांटा गया प्रसाद

मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ शहर के धारीवाल का मोहल्ला में स्थित गणेश जी की हताई में आयोजित गणेश महोत्सव पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है जिसके तहत बुधवार को मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन हुआ। इस दौरान गुलशन शर्मा एंड पार्टी ने सुंदरकांड की चौपाइयां और भजनों की प्रस्तुतियां देकर लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद सुरेश बोराना का रमेश व्यास और शिवकुमार पोद्दार मुकेश जैन ने माला साफा और स्मृति चिन्ह देकर अभिनन्दन किया।

कार्यक्रम में पंडित विजयकिशन,आचार्य रामकृपाल शास्त्री,परीक्षित शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन के साथ संपन्न हुआ।

वहीं कार्यक्रम का संचालन जयकिशन व्यास के द्वारा किया गया।

इस मौके पर जुगलकिशोर पुरोहित, दुर्गा दत्त व्यास, प्रकाश जैन, शांतिलाल खबिया, रणछोड़ दास वैष्णव, प्रेम प्रकाश, चंद्रप्रकाश आसलिया, धनपत भंडावत, जितेंद्र अग्रवाल, रामेश्वर शर्मा, पुनीत पोद्दार, केशव व्यास, माधव शर्मा, लक्ष्मीनारायण वैष्णव, रवि,परमेश्वर दर्शन जैन पुरुषोत्तम ,रामा किशन प्रजापत मनोज जी जैन सहित सभी मोहल्लेवासियों ने बढ़-चढ़ हिस्सा लिया।

बदमाश के खिलाफ शिकायतकर्ता को महंगा साबित हो रहा है मिल रही है अनेकों की धमकी

बिहार के वैशाली जिले कटहरा थाना क्षेत्र के विष्णुपुर गढ़ के मंदिर प्रांगण में इन दिनों बदमाशों का जमावड़ा लगा रहता था।जिसको लेकर विष्णुपुर गढ़ गांव निवासी अर्जुन ठाकुर की पत्नी संगीता देवी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस कार्रवाई करते हुए उन में से एक बदमाश के साथ दो बाइक को बरामद कर थाना लाया गया है। वैसे ही बदमाशों ने शिकायत कर्ता के दरवाजे पर हर्वे हथियार से लैस होकर अनेकों प्रकार की धमकी दी जा रही है। जिससे शिकायत कर्ता के मोहल्ले में दशहत का माहौल व्याप्त है ।

बदमाश के हरकत एंव तरह तरह के धमकी को लेकर संगीता देवी ने लिखित शिकायत पत्र देते हुए जान माल की सूरक्षा की गुहार लगाते हुए जांचोपरांत दोषी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गयी है।

शिकायत पत्र में लिखा है कि 20 सितंबर 26 की रात्रि के लगभग एक बजे में गांव स्थित मंदिर पर बैठकर कुछ अज्ञात बदमाश किया जा रहा था। जिसकी सूचना स्थानीय चौकीदार व 112 को दिया। पुलिस ने उन बदमाशों में से एक को पकड़ लिया ?उसके ठीक दुसरे दिन यानी 21 सितंबर 26 को विष्णुपुर गढ़ गांव निवासी राजू साह के पुत्र आनंद कुमार उर्फ मैक्सी ने मेरे दरवाजे पर आकर धमकी दिया है तुम लोगों ने मेरे दोस्तों को पकड़वा दिया है। इसका अंजाम बहुत बूरा होगा। तीसरे दिन यानी 23 सितंबर 26 को संध्या 7.00 बजे में हर्वे हथियार से लैस होकर चार गाड़ी से 10 से 12 की संख्या में आया। जिसमें आनंद कुमार पिता राजू साह, रणवीर कुमार पिता योगेन्द्र साह , मुन्ना कुमार पिता राजू साह सभी विष्णुपुर गढ़ गांव निवासी हैं। बिक्रम कुमार पिता ना मालूम, अभिषेक कुमार पिता महेश राय ग्राम अब्दुलपुर रैनी , थाना सकरा ,जिला मुजफ्फरपुर समेत के अलावा 8 से 9 अज्ञात लोग मेरे घर पर धावा बोलते हुए 10 राउंड फायरिंग होने की चर्चा की गयी। इसके साथ ही धमकी दिया कि पुरे टोले को समाप्त कर देंगे। जिसकी सूचना पर घटना स्थल पर कटहरा पुलिस पहुंची।

इस मामले कटहरा थाना अध्यक्ष संजीव कुमार दुबे ने बताया कि मारपीट की घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस ने घटना स्थल पर से बांसका फट्टा बरामद कर थाना लाया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने घटना स्थल से दो बाइक बरामद कर थाना लाया। शिकायत पत्र के आलोक में शीघ्र कार्रवाई किया जायेगा।

विकसित भारत जन सेवा कैंप में पहुंचे एसडीएम, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पंचायत समिति परिसर में आयोजित कैंप का ऋषिराज कपिल ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सांभर लेक। कालीचरण सैनी।पंचायत समिति परिसर में आयोजित विकसित भारत जन सेवा कैंप का गुरुवार को उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल ने निरीक्षण किया। एसडीएम के पहुंचने पर उन्होंने कैंप में विभिन्न विभागों की ओर से आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कपिल ने विभागवार लगाए गए काउंटरों का जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों से कैंप में पहुंच रहे लोगों तथा उनके कार्यों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कैंप में आने वाले आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराया जाए।

एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करते हुए पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। साथ ही कैंप में व्यवस्थाएं सुचारू बनाए रखने और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

जयपुर पुलिस का 'ऑपरेशन एंटीवायरस': मानसरोवर पुलिस ने साइबर ठगी के 4.30 लाख कराए रिफंड

जयपुर (राजस्थान): राजस्थान सरकार और पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे "ऑपरेशन एंटीवायरस" के तहत जयपुर दक्षिण की मानसरोवर थाना पुलिस को साइबर ठगों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग साइबर ठगी के शिकार हुए पीड़ितों (परिवादियों) के कुल ?4,30,000 रिफंड (रिकवर) करवाए हैं।

1. पॉलिसी रिन्यूअल के नाम पर हुई ?2.50 लाख की ठगी, पूरे पैसे वापस मानसरोवर निवासी परिवादी हेमंत कटारा ने 19 सितंबर 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि क्ळक्ळक बैंक की पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर अज्ञात ठगों ने ऑनलाइन जानकारी हासिल कर उनके साथ ?2,50,000 की ठगी कर ली। मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद (पु०नि०) के नेतृत्व में जांच टीम ने तुरंत नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल से जानकारी जुटाकर HDFC बैंक, EaseBuzz गेटवे और श्रीमान इंश्योरेंस के नोडल अधिकारियों से पत्राचार किया। त्वरित कार्रवाई के चलते पीड़ित हेमंत कटारा की संपूर्ण राशि 2,50,000 सीधे उनके बैंक खाते में रिफंड करवा दी गई।

2. क्रेडिट कार्ड के नाम पर 2.30 लाख का फ्रॉड, 1.80 लाख recovered

एक अन्य मामले में 27 जुलाई 2026 को परिवादिया ने रिपोर्ट दी थी कि ICICI बैंक क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन और रिवॉर्ड पॉइंट्स खाते में भेजने का झांसा देकर उनसे 2,30,000 की ठगी की गई।

पुलिस ने जांच में पाया कि ठगी की राशि रत्नाकर (RBL) बैंक और 'उंरॅंश्री' गेटवे के जरिए ट्रांसफर की गई थी। पुलिस ने संबंधित बैंक व नोडल अधिकारियों से संपर्क कर 1,80,000 सुरक्षित रिफंड करवाए।

जयपुर पुलिस की आमजन से अपील:

"इस डिजिटल संसार में इंटरनेट के जरिए अदृश्य ठग घूम रहे हैं। अपने बैंक संबंधी गोपनीय डेटा की सुरक्षा करें और किसी भी अनजान लिंक, कॉल, या प्रलोभन पर विश्वास न करें।"

रोज शांति में निवेश करें, तभी बनेगा सुरक्षित भविष्य: संयम यादव

चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी) युवा विचारक संयम यादव ने विश्व शांति दिवस पर रोटरी क्लब सेक्टर 18 में कहा कि शांति केवल युद्ध या संघर्ष न होने का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता, गरिमा और आपसी सम्मान की मौजूदगी है। उन्होंने कहा कि शांति की शुरूआत व्यक्ति से होती है और परिवार, समाज, देश से होते हुए पूरी दुनिया तक पहुंचती है। इन्वेस्ट इन पीस विषय पर बोलते हुए यादव ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के विचार का उल्लेख किया कि हृदय में धर्म और सत्य हो तो दुनिया में शांति आती है। उन्होंने कहा कि शांति में निवेश का अर्थ केवल धन देना नहीं, बल्कि सहयोग, समझ और मानवीय कल्याण की परिस्थितियां बनाना है।

यादव ने अहंकार को शांति की राह में बड़ी बाधा बताते हुए विनम्रता अपनाने की अपील की। उन्होंने सत्य, निष्पक्षता, सद्भाव और दूसरों की चिंता को दैनिक जीवन का आधार बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार, जल, ऊर्जा, खाद्य और साइबर सुरक्षा को वैश्विक प्राथमिकता बनाने की जरूरत बताई। यादव ने कहा कि शांति को पीपल, प्लेनेट और प्रॉफिट के साथ चौथा ह्यपील्ह बनाया जाना चाहिए। वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि शांति कोई मंजिल नहीं, बल्कि रोज निभाई जाने वाली प्रक्रिया है।

आचार्य मृदुल कृष्ण गोस्वामी करेंगे श्रीमद्भागवत कथा 26 सितंबर से

चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी) भागवत मिशन परिवार चंडीगढ़ द्वारा श्री श्रीमद्भागवत महापुराण कथा सप्ताह का आयोजन पितृ पक्ष में , दिनांक 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेक्टर 34, चण्डीगढ़ के प्रदर्शनी मैदान में प्रतिदिन समय 3:30 से 7:30 बजे तक किया जाएगा। भागवत मिशन परिवार चंडीगढ़ के अध्यक्ष पूर्व मेयर देवेश मौदगिल ने बताया के इस भव्य कथा समारोह में भारत के प्रख्यात कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कृष्ण गोस्वामी जी कथा वाचन करेंगे।

देवेश मौदगिल ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को आध्यात्मिक दिशा प्रदान करने वाला एक दिव्य ज्ञान यज्ञ है। पितृ पक्ष के दौरान आयोजित होने वाली यह कथा पित्रों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता एवं सनातन संस्कृति के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी।

मौदगिल ने बताया कि कथा में पहले दिन मंगला चरण भागवत महात्म्य दूसरे दिन शुकदेव आगमन, कपिल भगवान चरित्र तीसरे दिन सती चरित्र, ध्रुव चरित्र चौथे दिन वामन अवतार, श्री कृष्ण जन्म, नन्दोत्सव पांचवे दिन माखन चोरी, गिरिराज पूजन छटे दिन श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह, महारास सातवे और अंतिम दिन सुदाम चरित्र और फूल होली की कथा होगी। कथा में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

गणेश महोत्सव :मंदिर में गणेशजी को लगा 56 भोग :वार्ड के हर घर से आई प्रसाद,भजन कीर्तन के बाद बांटा गया प्रसाद

मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ शहर के धारीवालों का मोहल्ला में स्थित में गणेश उत्सव के दौरान बुधवार रात भक्ति का अनोखा नजारा देखने को मिला। गणेश उत्सव समिति के पंडाल में भगवान गणेश को 56 तरह के व्यंजनों का भोग लगाया गया। इस आयोजन की खास बात यह थी कि मोहल्ले के हर घर से एक प्रसादी तैयार कर भगवान गणेश को अर्पित की गई।

रात करीब 8:30 बजे 56 भोग के दर्शन के लिए पंडाल के पट खोले गए। इसके बाद ढोल और झांझ-मंजीरों की गूंज के साथ महाआरती हुई। इस महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आरती संपन्न होने के बाद गणपति बाप्पा के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा और श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया।

इस अवसर अनमोल व्यास ने समिति के सदस्यों ने बताया कि इस आयोजन में वार्डवासियों की अटूट श्रद्धा और भागीदारी देखने को मिली। वार्ड के प्रत्येक परिवार ने अपने घर पर विशेष व्यंजन तैयार कर भगवान गणेश को भोग लगाया।

इस मोके पर राधेश्याम टेलर,हर्षित व्यास,अंकुश सोनी,विपुल सोनी सहित पुरुष और महिलाए मौजूद थी।

गणेश चतुर्थी पर मेड़ता

थाने में हुई बैठक:शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील, पदाधिकारियों ने दिया सहयोग का भरोसा

मेड़ता सिटी`(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ मेड़ता पुलिस थाना परिसर में गुरुवार शाम को सीएलजी और शांति समिति के सदस्यों की बैठक हुई । इस बैठक में शुक्रवार को गणेश महोत्सव के तहत अंतिम दिन होने वाले शोभायात्रा को लेकर अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई । इस बैठक में उपखंड अधिकारी, पुलिस उपाध्यक्ष ,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि, थाना अधिकारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी और सीएलजी सदस्य शामिल हुए ।इस मौके पर उपखंड अधिकारी सुनील कुमार चौधरी ने कहा कि गणेश महोत्सव को लेकर शहर के सभी लोगों में सहयोग की भावना है उपखंड प्रशासन और पुलिस भी इस शोभायात्रा को लेकर पूरी व्यवस्था करेगी अवांछित गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि गणेश महोत्सव समिति के पदाधिकारी को किसी प्रकार की समस्या हो तो प्रशासन को बताएं ताकि समस्या का समाधान समय रहते हो सके। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति भावना में बहकर गलत काम नहीं करें ।उन्होंने यह भी कहा कि जब तक किसी कार्यक्रम में शांति व्यवस्था बनी रहती है तब तक व्यवस्था समितियां के हाथ में होती हैं लेकिन एक बार व्यवस्था बिगड़ने के बाद व्यवस्था पुलिस के हाथ में रहती है इसलिए व्यवस्था बनाए रखें और गणेश महोत्सव को आस्था के साथ मनाएं। पुलिस डिप्टी रामकरण मलिंडा ने कहा कि शुक्रवार को गणेश जी के महाशोभायात्रा के दौरान सभी मार्गों का अवलोकन किया जा चुका है ।

इस शोभायात्रा में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का जाब्ता मौजूद रहेगा जिसमें ढाई सौ पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। जिसमें एक आईपीएस अधिकारी चार पुलिस उपाध्यक्ष,7 सर्किल इंस्पेक्टर आर ए सी का जाब्ता भी तैनात रहेगा ।उन्होंने कहा कि गणेश जी की शोभायात्रा निर्धारित मार्ग से ही निकले ताकि कोई अव्यवस्था नहीं हो।

उचित मूल्य की 19 दुकानों के लिए नए सिरे से जारी होगी विज्ञप्ति

जयपुर, जिला रसद कार्यालय जयपुर द्वितीय के अधीन वर्ष 2023 में रिक्त उचित मूल्य दुकानों की रिक्तियों के विरुद्ध विज्ञप्ति जारी की गई थी। उक्त प्रक्रिया के दौरान न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश दिए जाने के कारण विज्ञप्ति की प्रक्रिया पूर्ण नहीं की जा सकी। न्यायालय से स्थगन समाप्त होने के पश्चात विभाग द्वारा वर्ष 2023 की उक्त विज्ञप्ति को समाप्त कर नए सिरे से विज्ञप्ति जारी किए जाने के निर्देश जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय एवं जिला रसद अधिकारी कोटपूतली-बहरोड़ को दिए गए हैं।

जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि 19 रिक्त उचित मूल्य दुकानों के लिए पूर्व में कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र से प्राप्त 109 आवेदन पत्र जिला रसद अधिकारी कोटपूतली-बहरोड़ को भेज दिए गए हैं ताकि उक्त दुकानों के लिए नए सिरे से विज्ञप्ति जारी कर आगामी प्रक्रिया की जा सके।

उचित मूल्य की 19 दुकानों के लिए नए सिरे से जारी होगी विज्ञप्ति

जयपुर, जिला रसद कार्यालय जयपुर द्वितीय के अधीन वर्ष 2023 में रिक्त उचित मूल्य दुकानों की रिक्तियों के विरुद्ध विज्ञप्ति जारी की गई थी। उक्त प्रक्रिया के दौरान न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश दिए जाने के कारण विज्ञप्ति की प्रक्रिया पूर्ण नहीं की जा सकी। न्यायालय से स्थगन समाप्त होने के पश्चात विभाग द्वारा वर्ष 2023 की उक्त विज्ञप्ति को समाप्त कर नए सिरे से विज्ञप्ति जारी किए जाने के निर्देश जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय एवं जिला रसद अधिकारी कोटपूतली-बहरोड़ को दिए गए हैं।

जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि 19 रिक्त उचित मूल्य दुकानों के लिए पूर्व में कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र से प्राप्त 109 आवेदन पत्र जिला रसद अधिकारी कोटपूतली-बहरोड़ को भेज दिए गए हैं ताकि उक्त दुकानों के लिए नए सिरे से विज्ञप्ति जारी कर आगामी प्रक्रिया की जा सके।

नई पीढ़ी संवाद के सलाहकार मंडल की घोषणा

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी। रोजगार एवं सामाजिक अधिकार अभियान की ओर से भ्रष्टाचार मुक्त जवाबदेह एवं पारदर्शी सरकार के लिए पूर्वांचल के 10 जिलों में चलाए जा रहे नई पीढ़ी संवाद के सलाहकार मंडल की घोषणा की गई अभियान के राष्ट्रीय संयोजक अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नामों की घोषणा की सलाहकार मंडल में विजय शंकर पांडेय को अध्यक्ष बनाया गया है वे कांग्रेस के पूर्व कार्य परिषद सदस्य तथा संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं अरविन्द सिंह अनिल श्रीवास्तव राम अवध भंते और नसीम खान को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है संगठन प्रभारी के रूप में कुंवर सुरेश प्रताप को नियुक्त किया गया है अध्ययन वर्कशॉप प्रभारी के रूप में प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय और प्रो. श्रीकांत पांडेय को जिम्मेदारी सौंपी गई है महासचिव के पद पर अरविन्द किशोर राय डॉ. उमेश सिंह और राजेश चौधरी को रखा गया है ।

मेहनत और समर्पण को मिला सम्मानः जयपुर के छह जवान बने कॉन्स्टेबल ऑफ द मंथ

पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

जयपुर (विशेष संवाददाता)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में उत्कृष्ट, सराहनीय और समर्पण भाव से कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'कॉन्स्टेबल ऑफ द मंथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने कमिश्नरेट सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अगस्त माह 2026 के लिए चयनित छह जवानों को 'कॉन्स्टेबल ऑफ द मंथ' अवॉर्ड से सम्मानित किया।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने कहा कि जयपुर पुलिस का मुख्य ध्येय 'आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय' की भावना को साकार करना है। इस प्रकार के सम्मान से न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि वे और अधिक निष्ठा, लगन व समर्पण के साथ जनसेवा के लिए प्रेरित होते हैं।

इन छह रणबांकुरों को मिला सम्मानः

सुरेश चंद (थाना वैशाली नगर - जिला पश्चिम): 10 अगस्त की रात सिरसी रोड स्थित एक अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। ईआर वाहन में तैनात जवान सुरेश चंद ने अदम्य साहस दिखाते हुए जान जोखिम में डालकर 7 लोगों को सुरक्षित निकाला। इतना ही नहीं, उन्होंने धुएं से घिरी एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को गोद में उठाकर तीसरी मंजिल से सुरक्षित नीचे पहुंचाया।

?राजेश जाखड़ (थाना शास्त्रीनगर - जिला उत्तर): साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए म्युल खाताधारक को डिटेन कर मामला दर्ज कराया। साथ ही 1930 साइबर पोर्टल पर प्राप्त 70 से अधिक शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया एवं महिलाओं-बच्चों से जुड़े ऑनलाइन अपराधों में तत्परता दिखाई।

?राजकिशोर (थाना बजाज नगर - जिला पूर्व): पेंडिंग प्रकरणों के निस्तारण अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अगस्त माह में कुल 55 पेंडिंग केस तथा धारा 202 सीआरपीसी की 10 एवं 30 मर्ग पत्रावलियों का निस्तारण करवाया।

राजेश देवन्दा (थाना ज्योतिनगर - जिला दक्षिण): आपराधिक वारंटों की तामील में उत्कृष्ट कार्य करते हुए 194 पेंडिंग वारंट व 76 सम्मन का निस्तारण करवाया तथा 10 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कराने में अहम भूमिका निभाई।

रामप्रसाद (यातायात पूर्व): पिंक स्क्वायर मॉल के सामने भारी बारिश के दौरान यातायात सुगम बनाए रखा और तत्परता दिखाते हुए एक आपातकालीन एम्बुलेंस को सुरक्षित रास्ता प्रदान करवाया।

नरेश कुमार राव (रिजर्व पुलिस लाइन): जयपुर में आयोजित ब्रिक्स (BRICS) सम्मेलन के दौरान वीआईपी ड्यूटी, एस्कॉर्ट, पायलट और हार्डकोर अपराधियों की पेशी जैसी संवेदनशील व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक और समयबद्ध संचालन किया।

बाल यौन शोषण सामग्री मामले में जयपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः ढउटएउ की साइबर टिपलाइन रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्त गिरफ्तार

जयपुर पुलिस (उत्तर) के विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में बाल यौन शोषण सामग्री से संबंधित एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एब्यूज्ड चिल्ड्रेन (NCMEC) की CyberTipline रिपोर्ट से मिली सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) श्री करण शर्मा (IPS) ने बताया कि NCMEC साइबर टिपलाइन रिपोर्ट के जरिए एक संदिग्ध मोबाइल नंबर से बाल यौन उत्पीड़न संबंधी डिजिटल सामग्री प्रसारित किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। पोर्टल पर उपलब्ध रिपोर्ट्स और दस्तावेजों के प्राथमिक निरीक्षण में मामला सही पाए जाने पर विद्याधर नगर थाने में **मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।**

तकनीकी साक्ष्यों से हुई पहचान

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा के निर्देशन, अति० पुलिस उपायुक्त (द्वितीय) बजरंग सिंह शेखावत व सहायक पुलिस आयुक्त (शास्त्रीनगर) दिलीप कुमार मीणा के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सज्जन कुमार (पु०नि०) के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने डिजिटल और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर संदिग्ध मोबाइल नंबर का उपयोग करने वाले आरोपी की पहचान की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राजकिशोर यादव (26 वर्ष), पुत्र श्याम सिंह यादव, निवासी कन्नौज (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी श्याम नगर विस्तार, बैनाड़ रोड (जयपुर) को गिरफ्तार कर लिया।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच जारी

पुलिस की ओर से आरोपी के पास से जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और डिजिटल साक्ष्यों की गहनता से जांच की जा रही है। इसके अलावा, इस अपराध में शामिल अन्य संभावित स्रोतों और व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीमः

सज्जन कुमार (पुलिस निरीक्षक / थानाधिकारी)

भैरूराम (उप-निरीक्षक)

मनीष कुमार (कांस्टेबल 10187)

संजय कुमार (कांस्टेबल 9870)।

पं. विजय नारायण मिश्र को श्रद्धांजलि सामाजिक व राजनीतिक योगदान को किया याद

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी। राजनीति एवं सामाजिक जीवन के पुरोधा काशी विद्यापीठ की छात्र राजनीति के अग्रणी व्यक्तित्व तथा एनएसयूआई के संस्थापकों में शामिल रहे पं. विजय नारायण मिश्र के निधन पर रोजगार एवं सामाजिक अधिकार अभियान फ्ढरअकी ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई सभा का आयोजन अभियान के मीडिया प्रभारी आनंद मिश्रा के नदेसर स्थित आवास पर हुआ सभा की अध्यक्षता रोजगार एवं सामाजिक

अधिकार अभियान के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय शंकर पांडेय ने की इस दौरान वक्ताओं ने पं. विजय नारायण मिश्र के दीर्घ राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन संघर्ष स्पष्टवादिता और संगठन के प्रति उनके समर्पण को याद किया

वक्ताओं ने कहा कि पं. विजय नारायण मिश्र ने जनहित एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभाई उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष सामाजिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा उनके निधन को राजनीतिक एवं सामाजिक।

BHU में साइकिल चोरी का खुलासा 12 चोरी की साइकिलें बरामद; तीन गिरफ्तादार

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय BHU परिसर में लगातार सामने आ रही साइकिल चोरी की घटनाओं के मामले में लंका थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से और उनकी निशानदेही पर अलग-अलग कंपनियों की 12 चोरी की साइकिलें बरामद की गई हैं पुलिस का कहना है कि आरोपी इल्व परिसर में खड़ी साइकिलों के लॉक को काटकर उन्हें चोरी करते थे और बाद में परिसर से बाहर ले जाकर बेचने की कोशिश करते थे। मामले की जांच में CCTV फुटेज इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना का इस्तेमाल किया गया पुलिस के अनुसार 23 सितंबर की रात करीब 11:50 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक BHU परिसर में अकेला बाबा मंदिर जाने वाले रास्ते के पास चोरी की साइकिलों के साथ मौजूद हैं सूचना के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीन युवकों को पकड़ लिया गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज कन्नौजिया 20 शिवम कुमार

20 और सोहम रंगीले मिश्रा 19 के रूप में हुई है पुलिस के अनुसार तीनों वाराणसी के फूलपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं

पुलिस के मुताबिक पूछताछ के बाद आरोपियों की निशानदेही पर कुल 12 साइकिलें बरामद की गईं इनमें अलग-अलग कंपनियों की साइकिलें शामिल हैं

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे इल्व परिसर में खड़ी साइकिलों को निशाना बनाते थे साइकिल में लगे लॉक को कैंची की मदद से काटकर साइकिल चोरी की जाती थी इसके बाद चोरी की गई साइकिलों को परिसर से बाहर ले जाकर दूसरी जगह बेचने की कोशिश की जाती थी।

बनेड़ा तहसील की 29 ग्राम पंचायतों और 289 वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकली, चुनावी सरगर्मियां हुई तेज

दिनेश कुमार सुवालका भटेड़ा

भीलवाड़ा- बनेड़ा- पंचायती राज आम चुनाव 2026 को लेकर ग्रामीण नेताओं का लंबे समय से चल रहा इंतजार गुरुवार को खत्म हो गया। उपखंड मुख्यालय पर प्रशासन द्वारा बनेड़ा तहसील की 29 ग्राम पंचायतों के सरपंच पदों और 289 वार्डों के वार्ड पंचों के लिए आरक्षण की लॉटरी पूरी पारदर्शिता के साथ निकाली गई। उपखंड अधिकारी बाबूलाल (एसडीओ/एसडीएम) और निर्वाचन विभाग के अधिकारियों

की मौजूदगी में आयोजित इस प्रक्रिया के बाद अब क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां पूरी तरह तेज हो गई हैं।आरक्षण सूची सार्वजनिक होते ही कई दावेदारों के चेहरे खिल उठे, तो वहीं कई गांवों में समीकरण बदलने से दिग्गज नेताओं को मायूसी हाथ लगी है। सरपंच की 29 सीटों और 289 वार्डों में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और सामान्य वर्ग (Genaral) के लिए वर्गीकरण किया गया है। इसके साथ ही राज्य सरकार के नियमानुसार सभी वर्गों में 50 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं।

गांवों में बदली राजनीतिक बिसात

लॉटरी के नतीजे सामने आते ही कई पंचायतों में बरसों से तैयारी कर रहे भावी उम्मीदवारों के गणित बिगड़ गए हैं।

महिला आरक्षित घोषित हुई सीटों पर अब कई दिग्गज नेता अपनी पत्नियों या परिवार की महिला सदस्यों को चुनाव मैदान में उतारने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। वहीं, सामान्य हुई सीटों पर इस बार कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

ऐम्पा एवं जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ ने रोसड़ा के पत्रकार के साथ हुई मारपीट जानलेवा हमला की घटना का किया घोर निंदा

पत्रकारों की सुरक्षा की गारंटी करें सम्राट सरकार

दोषी पर हो जांचोपरांत जल्द कार्रवाई

अम्बेश आनंद झा

खगड़िया बिहार ' रोसड़ा के पत्रकार तेजस टुडे के उप संपादक हरे राम चौधरी के साथ घर में घुसकर मारपीट गाली गलौज जानलेवा हमला मोटरसाइकिल तोड़फोड़ करने तथा पत्रकार पर काउंटर केस करने की घटना का ऑल इंडिया मिशन प्रेस एसोसिएशन ऐम्पा के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष सह जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ खगड़िया के संरक्षक किरण देव

यादव ने घोर निंदा एवं आक्रोश व्यक्त किया एवं समस्तीपुर पुलिस अधीक्षक एवं डीजीपी बिहार सरकार से जांचों उपरांत दोषी पर कड़ी कार्रवाई करने पत्रकारों की सुरक्षा की गारंटी करने समुचित इलाज हेतु बेहतर व्यवस्था देने मुआवजा देने आदि की मांग किया है ।

तथा कहा कि सम्राट सरकार जल्द पत्रकारों की सुरक्षा की गारंटी करें इधर जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ के अध्यक्ष सुमलेश कुमार ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आज आए दिन पत्रकारों पर जानलेवा हमला हो रही है झूठा मुकदमा की जा रही है जो अत्यंत चिंतनीय निंदनीय विषय है पत्रकारों को एकजुट होने की जरूरत है साथी पत्रकार किरण देव यादव सुमलेश कुमार सुनील कुमार आर्यन कुमार नीरज कुमार जन्मेजय कुमार विक्रमादित्य आदि ने घटना की निंदा किया।

28 से 30 सितंबर तक बैंक हड़ताल के समर्थन में वाराणसी में जोरदार प्रदर्शन

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी। 28, 29 एवं 30 सितंबर को प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के समर्थन में गुरुवार को वाराणसी मॉड्यूल में UFBU के बैनर तले SBI मुख्य शाखा के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन के दौरान बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने तथा प्रॉफिट लिंकड़ इंसेंटिव में भेदभाव समाप्त कर समान एवं न्यायसंगत नीति लागू करने की मांग उठाई वक्ताओं ने कहा कि मांगों को लेकर UFBU की ओर से श्रम मंत्रालय वित्त मंत्रालय के DFS तथा बैंक प्रबंधन के साथ लगातार

वार्ता की गई लेकिन 22 सितंबर को हुई अंतिम वार्ता भी बेनतीजा रही इसके बाद यूनियन ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के आह्वान को जारी रखने का निर्णय लिया है

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था से कर्मचारियों को Work-Life Balance के साथ आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा वहीं ढछक में कथित भेदभाव को समाप्त कर समान नीति लागू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई

धरना-प्रदर्शन में उप महामंत्री कामरेड मनोज सिंह UFBU सह-संयोजक संजय शर्मा अरुण कुमार अमरेंद्र कुमार पंकज कुमार पंकज राय अभय मिश्रा रघुवर तिवारी वीरेंद्र कुमार सिंह अश्विनी सिंह प्रभुनारायण सिंह रजनीलता शिल्पी सेठ उपासना सोनी सहित बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि 28 से 30 सितंबर की हड़ताल से पहले 27 सितंबर को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को ग्राहकों की सुविधा के लिए सामान्य रूप से खोलने का निर्णय लिया गया है।

मुहाना पुलिस का बड़ा खुलासाः 15 माह पुराने महिला के 'ब्लाइंड मर्डर' की गुत्थी सुलझी, पति व बेटा गिरफ्तार

25 मई 2025 को हत्या कर शव कंबल में लपेटकर ऑटो से गांव अचरावाला के पास कुएं में फेंका गया था

जयपुर (विशेष संवाददाता)। जयपुर दक्षिण के मुहाना थाना इलाके में 15 माह पुराने महिला के सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर मामले का पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है। पारिवारिक रंजिश और अवैध संबंधों के संदेह में महिला की हत्या करने वाले उसके पति लालाराम चौधरी (42) और बेटे हरिओम चौधरी (20) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने हत्या के बाद शव को कंबल में लपेटकर गांव अचरावाला स्थित एक सुनसान कुएं में फेंक दिया था।

ऐसे रची गई साजिश

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण)

राजर्षि राज (IPS) ने बताया कि आरोपियों ने 25 मई 2025 को मोंटू चौधरी उर्फ सीमा चौधरी की हत्या कर दी थी। साक्ष्य छुपाने और पुलिस से बचने के उद्देश्य से दोनों ने रात में ऑटो के जरिए शव को ले जाकर एक गहरे सूखे कुएं में फेंक दिया। रिश्तेदारों द्वारा महिला के बारे में पूछे जाने पर आरोपियों ने पहले तिहाड़ जेल और बाद में भरतपुर जेल में बंद होने की झूठी कहानी गढ़ी। जब महिला की बहन ने जेल प्रशासन से संपर्क किया तो झूठ पकड़ा गया। खुद को बेकसूर साबित करने के लिए बेटे हरिओम ने 21 जुलाई 2025 को मुहाना थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी थी।

गुप्त सूचना से खुला राज

तलाश के दौरान डीएसटी टीम के कांस्टेबल देवेंद्र को सूचना मिली कि लापता महिला की हत्या उसके पति व बेटे ने ही कर दी है। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित कुमार शर्मा और एसीपी मानसरोवर हेमेंद्र शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी मुकेश कुमार व डीएसटी प्रभारी विशंभर के नेतृत्व में विशेष टीम ने संदिग्धों से कड़ाई से पूछताछ की।

आरोपियों की निशानदेही पर अचरावाला गांव के कुएं से मृतका का कंकाल/शव बरामद किया गया। पुलिस ने बीएनएस 2023 की धारा 109(1) और 238ए के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आर.के. मार्बल की टाइल्स आर्ट गैलरी का भव्य उद्घाटन

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी ' आर.के. मार्बल की टाइल्स आर्ट गैलरी का भव्य उद्घाटन एमएलसी बिजेश सिंह ने किया इस अवसर पर रविंद्र कुमार अग्रवाल नीरज अग्रवाल पंकज अग्रवाल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे आर.के. मार्बल को केवल शोरूम नहीं बल्कि एक आर्ट गैलरी के रूप में तैयार किया गया है यहां टाइल्स मार्बल ग्रेनाइट बाथ फिटिंग वॉल फिटिंग और होम डेकोर की विस्तृत रेंज उपलब्ध है गैलरी में 400 से अधिक डिजाइनों की वैरायटी मौजूद है जो इसे पूर्वांचल की प्रमुख टाइल्स आर्ट गैलरी के रूप में

स्थापित करती है आर.के. मार्बल के अधिष्ठाता नीरज अग्रवाल ने बताया कि ग्राहकों के लिए सबसे बड़ा लाभ फिक्स्ड रेट व्यवस्था है यहां उत्पादों के मूल्य पूरी तरह निर्धारित हैं और किसी भी प्रकार की बार्गेनिंग नहीं होगी उन्होंने कहा कि उद्देश्य गुणवत्ता आधुनिक डिजाइन और पारदर्शी मूल्य व्यवस्था को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है उद्घाटन समारोह में आए अतिथियों का आभार स्वयं अग्रवाल शेखर अग्रवाल और श्वेता अग्रवाल ने व्यक्त किया।

गणेशोत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं वाला पर्व :- नरेन्द्र सिंह तोमर

ग्वालियर 24 :-- मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री नरेंद्र सिंह तोमर आज अनेक गणेश महोत्सव समारोह कार्यक्रमो मे शामिल हुए और भगवान श्री गणेश की विधि विधान से पूजा अर्चना कर आरती की सर्वप्रथम श्री तोमर ने दौलतगंज में गणेश उत्सव में पहुंचकर आरती की तदुपरांत हरिशंकर पुरम गणेश महोत्सव समारोह में पहुंचकर भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना कर विदाई दी इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित धर्म प्रेमी जनता जनार्दन को संबोधित करते हुए कहा कि विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी के पावन गणेशोत्सव को लेकर ग्वालियर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और उल्लास का वातावरण बना हुआ है। विभिन्न स्थानों पर आकर्षक गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किए गए गणेश पंडालों को आकर्षक विद्युत सज्जा एवं फूलों से सजाया गया है। सुबह-शाम भगवान श्री गणेश जी की आरती, पूजन, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि कई स्थानों पर बच्चों और युवाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।गणेशोत्सव के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था देखने को मिल रही है। परिवारों के साथ लोग गणपति दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं और भगवान श्री गणेश जी से सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की प्रार्थना कर रहे हैं। पूरे वातावरण में ह्यगणपति बप्पा मोरयाह्न के जयघोष से भक्तिमय ऊर्जा का संचार हो रहा है।

गणेशोत्सव को लेकर ग्वालियर में उत्साह चरम पर, गूंज रहा ह्यगणपति बप्पा मोरयाह्न का जयघोष चारो ओर हो रहा हे,गणेशोत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने वाला पर्व भी है। अलग-अलग वर्गों के लोग एक साथ मिलकर आयोजन में सहभागी बन रहे हैं, जिससे समाज में आपसी सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत हो रही है।

जीत पर पीठ थपथपाते हैं और हार पर सत्ता के दुरुपयोग का रोना रोते हैं डोटासरा:– मदन राठौड़

जयपुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डोटासरा के बयानों में विरोधाभास साफ दिखाई देता है।

एक ओर वे चुनाव में जीत और वोटों के आंकड़ों को लेकर बड़े-बड़े दावे करते हैं तथा अपनी पीठ थपथपाते हैं, वहीं दूसरी ओर चुनाव में सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाते हैं। यदि सत्ता का दुरुपयोग हुआ होता तो कांग्रेस को इतने वोट कैसे मिलते

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेताओं की स्थिति यह है कि जहां उन्हें जीत मिलती है, वहां वे अपनी पीठ थपथपाते हैं और जहां हार का सामना करना पड़ता है, वहां सत्ता के दुरुपयोग और अन्य आरोप लगाकर अपनी हार का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने का प्रयास करते हैं। डोटासरा अपनी हार की झेंप मिटाने और सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी निष्पक्ष और संवैधानिक संस्थाओं पर इस प्रकार के आरोप लगाना उचित नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थाओं की निष्पक्षता और संवैधानिक मयार्दा का सम्मान सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को आत्ममंथन करना चाहिए कि उनके कार्यकाल और उनके द्वारा किए गए विभिन्न कृत्यों को जनता ने किस प्रकार नकारा है। जनता के निर्णय को स्वीकार करने के बजाय लगातार संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना उचित लोकतांत्रिक परंपरा नहीं है।

नहीं रहे बॉलीवुड के मशहूर चरित्र अभिनेता मुश्ताक खान

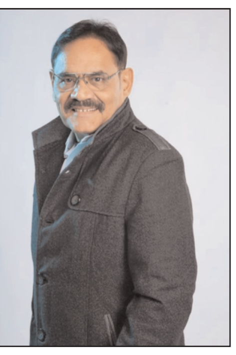

'वेलकम' और 'आशिकी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाले चरित्र अभिनेता मुश्ताक खान का 56 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे पिछले करीब 15 दिनों से मुंबई के नानावती अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने आज 24 सितंबर को अंतिम सांस ली। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर कस्बे में जन्मे मुश्ताक खान ने अपने करियर की शुरूआत थिएटर से की थी। साल 1980 में फिल्म 'थोड़ी सी बेवफाई' और 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। अपने चार दशक से अधिक लंबे अभिनय करियर में उन्होंने 250 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया। फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे पर 'अदालत', 'चाचा चौधरी', 'टेढ़े-मेढ़े सपने' और 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में भी काम किया। मुश्ताक खान ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए, जिनसे उन्हें घर-घर में पहचान मिली। 2007 में आई फिल्म 'वेलकम' में मजनू भाई (अनिल कपूर) के साथी 'बल्लू' के रोल से उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली। इससे पहले 1993 की फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में दक्षिण भारतीय लहजे वाले 'भगवती प्रसाद मिश्रा' और 1990 की ब्लॉकबस्टर 'आशिकी' में दर्जी 'रफू मास्टर' का उनका किरदार काफी चर्चित रहा। इसके अलावा फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' में 'चुटकी बाबा', 'गदरः एक प्रेम कथा' में 'गुल खान' और 'दिल है कि मानता नहीं' में बस कंडक्टर के रोल में भी उनकी अदाकारी को बहुत सराहा गया था।

बाल विवाह रोकथाम एवं नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया)
बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षकों के लिए बाल विवाह रोकथाम एवं नशा मुक्त भारत अभियान के संबंध में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सहायक निदेशक अशफाक द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बाल विवाह के सामाजिक एवं कानूनी दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बाल विवाह की रोकथाम के लिए समय रहते सूचना देने एवं प्रभावी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों एवं नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में भी शिक्षकों को जागरूक किया गया। शिक्षकों को बताया गया कि वे विद्यार्थियों में नशे के प्रति जागरूकता विकसित करने, सकारात्मक वातावरण बनाने तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को सूचना देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसके साथ ही शिक्षकों की बाल विवाह की रोकथाम में भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। उन्हें बाल विवाह के संभावित मामलों की पहचान, समय पर सूचना एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय के संबंध में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को बाल विवाह एवं नशे जैसी सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाते हुए बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए उनकी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

धौलपुर(धर्मेन्द्र बिधौलिया) 220 केवी जीएसएस धौलपुर पर रख रखाव व मरम्मत कार्य होने के कारण 25 सितम्बर को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियन्ता 220 केवी जीएसएस धौलपुर संध्या चौहान ने बताया कि 25 सितम्बर को 33 केवी दरियापुर फीडर की प्रातः 8.30 बजे से 10.30 बजे तक तथा 33 केवी रीको फीडर की दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

आँगन मिलन सेवा कार्यक्रम का होगा आयोजन

धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) विकसित भारत जनसेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में 25 से 27 सितम्बर तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस सम्बंध में सीडीपीओ भूपेश गर्ग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी निदेर्शानुसार एवं जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देशन में आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें एक दिन मुख्य कार्यक्रम व अगले 2 दिन विभिन्न गतिविधियों यथा रंगोली, पेंटिंग, बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। मुख्य कार्यक्रम में स्थानीय ग्राम व वार्ड के समुदाय के समक्ष आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं आशा सहयोगिनी का सम्मान किया जाएगा। प्रधानमंत्री के आंगनबाड़ी बहनों के नाम सन्देश का वाचन करते हुए उनको भेंट किया जाएगा साथ ही सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

नशा मुक्त भारत के लिए विद्यार्थियों ने निकाली रैली

कैथल (कृष्ण प्रजापति): राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) दिवस के अवसर पर पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फरल में नशा-मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में एनएसएस अधिकारी नीलम कौशिक ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महिंद्र पाल ने भी नशा-मुक्ति विषय पर अपने विचार रखते हुए विद्यार्थियों को नशे से होने वाले सामाजिक एवं व्यक्तिगत नुकसान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक सोच अपनाने तथा शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया रैली के दौरान सभी एनएसएस स्वयंसेवकों ने नशा-मुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने तथा स्वयं नशे से दूर रहने की शपथ ली। कार्यक्रम में अन्नू रानी, जसविंदर कौर, विनिका, महेंद्र सिंह, पवन कुमार प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से नशा-मुक्त विद्यालय, परिवार और समाज के संदेश को व्यापक स्तर तक पहुंचाना रहा।

नरेना में जानलेवा हमला करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर ग्रामीण। नरेना थाना पुलिस ने सोलावता गांव में एक व्यक्ति पर कथित जानलेवा हमला करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 8 सितंबर 2026 को रास्ते में एक व्यक्ति के साथ लाठी, सरिये और कुल्हाड़ी से मारपीट की थी।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद, आईपीएस ने बताया कि परिवादी दिनेश पुत्र राम नारायण जाट, निवासी सोलावता ने नरेना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार 8 सितंबर की सुबह करीब 8:30 बजे उसके पिता राम नारायण जाट घर से खेत पर पशु चराने के लिए गए थे। रास्ते में आरोपियों ने उनके साथ कथित रूप से मारपीट की।

पुलिस के मुताबिक हमले में राम नारायण गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में 15-20 टांके आए तथा दोनों हाथों और पैरों में चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें राजकीय अस्पताल नरेना से एसएमएस अस्पताल जयपुर रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी रहा।

परिवादी ने आरोप लगाया कि घटना के बाद परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई और परिवार को जान से मारने की धमकियां दी गईं। मामले में नरेना थाने में प्रकरण संख्या 143/2026, धारा 189(2), 115(2), 126(2) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस टीम ने की त्वरित कार्रवाई

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा एवं वृत्ताधिकारी सांभरलेक मुकेश कुमार जोशी के निकटतम सुपरविजन तथा नरेना थाना अधिकारी उमराव सिंह, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने सूचना संकलन और तकनीकी सहायता के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने घटना में शामिल होना बताया। इसके बाद 23 सितंबर 2026 को आरोपी मंगल चंद जाट, किशन लाल जाट और सोनी देवी जाट को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में घटना के पीछे जमीन संबंधी रंजिश एवं विवाद होना सामने आया है।

गिरफ्तार आरोपी

मंगल चंद पुत्र सुवालाल जाट, उम्र 53 वर्ष, निवासी सोलावता, थाना नरेना, जयपुर।

किशन लाल पुत्र सुवालाल जाट, उम्र 45 वर्ष, निवासी सोलावता, थाना नरेना, जयपुर।

सोनी देवी पत्नी किशन लाल जाट, उम्र 40 वर्ष, निवासी सोलावता, थाना नरेना, जयपुर।

पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है तथा प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

देश का दर्पण न्यूज`

जयपुर ग्रामीण यह खबर प्रेस विज्ञप्ति में दी गई ।

पड़ा व्यापारियों से 2 करोड़ की ठगी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग के 2 शातिर ठग गिरफ्तार

जयपुर (देश का दर्पण)।
राजधानी के रीको इंडस्ट्रियल एरिया (मानसरोवर) स्थित कपड़ा व्यापारियों से करीब 2 करोड़ रुपये का कपड़ा धोखाधड़ी से हड़पने वाली अंतरराज्यीय गैंग का शिप्रापथ थाना पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गैंग के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी व्यापारियों से माल मंगवाकर फर्जी पतों पर प्राप्त करते थे और बाद में माल को कम दामों में बेचकर फरार हो जाते थे।

?पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज (क्र्ढर) ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हेमंत सुखलानी (52) निवासी अहमदाबाद और प्रदीप गुनानी उर्फ सोनू (39) निवासी अहमदाबाद हैं।

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

डीसीपी दक्षिण ने बताया कि 19 सितंबर को अमन एक्सपोर्ट्स रिटेल लिमिटेड के फाइनेंस मैनेजर गिरीश पाटोदिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि मार्च 2026 में आरोपी प्रदीप गुनानी (वाहेगुरु एजेंसी) और हेमंत (आर.वी. एंटरप्राइजेज) अन्य साथियों के साथ उनकी फर्म पर आए। खुद को कपड़ा व्यापारियों का एजेंट और बड़ी फर्मों का प्रोपराइटर बताकर व्यापारियों को जीएसटी नंबर उपलब्ध करवाए और मुंबई व अहमदाबाद माल भेजने का ऑर्डर दिया। आरोपियों ने पीड़ित की फर्म से करीब 47 लाख रुपये और अन्य कपड़ा फर्मों से करीब 1.5 करोड़ रुपये का माल (कुल करीब 2 करोड़ रुपये) मंगवा लिया।

?भुगतान मांगने पर आरोपी टालमटोल करने लगे। जब व्यापारियों ने पते की जांच करवाई तो सभी पते फर्जी निकले। इसके बाद थानाधिकारी हितेश शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने आसूचना संकलन कर दोनों मुख्य आरोपियों को धर दबोचा।

फर्जी पते और खाली चेक देकर जीतते थे भरोसा

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी व्यापारियों को भरोसा दिलाने के लिए शुरूआती भुगतान या खाली बैंक चेक दे देते थे। माल को ट्रांसपोर्ट से फर्जी पतों के बजाय अन्य स्थानों पर प्राप्त कर अहमदाबाद में ही अन्य दुकानदारों को सस्ते दामों में बेच देते थे। पुलिस फिलहाल आरोपियों को पी/सी रिमांड पर लेकर हड़पे गए माल की बरामदगी और गैंग के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष 25 सितंबर को जयपुर में - श्रवण सिंह बगड़ी

युवाओं से करेंगे संवाद,स्वच्छ्ता सेवा कार्यक्रम में होंगे शामिल –श्रवण सिंह बगड़ी

जयपुर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 25 सितम्बर को जयपुर आएंगे, वे निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड विजय के अवसर पर आयोजित पार्टी के विजयी पार्षदों, जन प्रतिनिधियों के स्वागत अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित करेंगे।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 25 सितंबर को प्रातः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पार्टी द्वारा चलाये जा रहे सेवा संकल्प अभियान में प्रातः 7.30 बजे अल्बर्ट हॉल, जयपुर में आयोजित स्वच्छता सेवा कार्यक्रम में रहेंगे।

उन्होंने बताया कि एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती भी उस दिन है। इस अवसर पर बगरू के गांव दादिया में प्रातः 11 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म जयंती पर विशाल कार्यक्रम होगा इस कार्यक्रम में हाल ही में सम्पन्न नगर निकाय चुनाव में विजयी हुए भाजपा पार्षद तथा प्रत्याशी रहे हैं उनका स्वागत समारोह रखा जाएगा। इस समारोह में जनप्रतिनिधि सहित पार्टी के सभी जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी सहित 50 हजार कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे । इस समारोह कार्यक्रम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सम्बोधित करेंगे ।

सोजत पदभार संभालते ही एक्शन मोड में पालिकाध्यक्ष कीर्ति तंवर

अकरम खान, सोजत सिटी। नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति राजेश तंवर ने पदभार ग्रहण करते ही शहर की व्यवस्थाओं को लेकर सक्रियता दिखाई। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणपति विसर्जन से पूर्व पालिकाध्यक्ष ने रामेलाव तालाब का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की आस्था के साथ सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

नगरपालिका अध्यक्ष कीर्ति तंवर ने गणपति विसर्जन कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने तालाब परिसर में आवश्यक व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने शहर की सड़कों की साफ-सफाई तथा सुचारु आवागमन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

न.पा.अध्यक्ष ने कहा कि नगरपालिका से संबंधित कार्य आमजन के लिए सरल एवं सुविधाजनक होने चाहिए। उन्होंने आगामी आयोजनों को लेकर अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगरपालिका ईओ राघव मीणा सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पालिकाध्यक्ष को गणपति विसर्जन आयोजन को लेकर की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं से अवगत कराया।

इस मौके पर ओबीसी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता राजेश तंवर, कन्हैयालाल ओझा, हीरालाल काठेड़, महेंद्र टांक, दीपक पंवार, आकाश बोराणा, गोपीकिशन राठौड़ सहित नगरपालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

गांव की सरकार: पीपलू पंचायत समिति सभागार में खुला सरपंच पदों के आरक्षण का पिटारा, सरगर्मियां तेज

टोंक/पीपलू। त्रिस्तरीय पंचायती राज चुनावों के तहत पीपलू पंचायत समिति सभागार में 31 ग्राम पंचायतों के सरपंच पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में प्रशासन एवं निर्वाचन अधिकारियों की मौजूदगी में पर्चियां निकालकर वर्गवार स्थिति तय की गई। इसमें अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और अनारक्षित (General) श्रेणियों में सीटों का विभाजन कर 50 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया गया है। रोटेशन पद्धति से हुए इस बदलाव से क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं।जारी सूची के अनुसार बनवाड़ा, पांसरोटिया व कुरेड़ी अनुसूचित जाति, नानेर व हाड़ीखुर्द अनुसूचित जाति महिला, ढोढरिया अनुसूचित जनजाति, प्यावड़ी, कुरेड़ा, जौला, संदेडा, अनवरपुराखेड़ा, डोडवाड़ी, कठमाना, डारडातुर्की व गहलोद अनारक्षित महिला तथा सोहेला, बगड़ी, जवाली, नौरंगपुरा, हाड़ीकलां, राणोली व बगड़वा अनारक्षित वर्ग के लिए तय हुई हैं। वहीं मुंडिया अनुसूचित जाति, चौगाई अनुसूचित जाति महिला, झिराना व लोहरवाड़ा अन्य पिछड़ा वर्ग, बोरखण्डी कलां अन्य पिछड़ा वर्ग, निम्हेड़ा अनुसूचित जनजाति महिला, सिसोला व अरनिया कांकड़ अन्य पिछड़ा वर्ग महिला तथा नयाटीला-रहीमनगर को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया गया है।

बीडीए ने अतिक्रमणकारियों को दी चेतावनी

(यातायात व्यवस्था सुधरेगी)

रिपोर्ट....राकेश कोठेनिया

भरतपुर ......शहर में बीडीए ने सुंदरीकरण और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। बीडीए ने सार्वजनिक चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि काली बगीची से कोठारी स्टोन तक मॉडल रोड और आरबीएम हॉस्पिटल से चांदपोल गेट तक होने वाले सड़क चौड़ाईकरण के काम में जो भी अतिक्रमण बाधक बन रहे हैं, उन्हें तुरंत हटा लिया जाए। बीडीए ने इसके लिए संबंधित लोगों को केवल तीन दिन का समय दिया है ताकि विकास कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे किए जा सकें। बीडीए ने साफ तौर पर कहा है कि यदि अवैध निर्माण नहीं हटाए, तो पुलिस प्रशासन बलपूर्वक उन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू कर देगा। बीडीए के इस सख्त कदम के तहत बीडीए द्वारा की जाने वाली अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई में जो भी हर्जा-खर्चा या वित्तीय उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अतिक्रमणकारी व्यक्ति की ही होगी। बीडीए की इस अचानक आई चेतावनी के बाद से संबंधित रूट के दुकानदारों और मकान मालिकों में हड़कंप मच गया ।

आरक्षण लॉटरी ने बदले चुनावी समीकरण, कई दावेदारों के अरमानों पर फिरा पानी

25 ग्राम पंचायतों में सरपंच और 241 वार्ड पंच पदों का आरक्षण तय, फूलियाकलां में पहली बार एससी महिला बनेगी प्रधान

रिपोर्टर सुरज वर्मा

फूलियाकलां नवगठित फूलियाकलां पंचायत समिति क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों तथा 241 वार्ड पंच पदों के लिए गुरुवार को आरक्षण लॉटरी निकाली गई। कृषि महाविद्यालय सभागार में एसडीएम अरुण कुमार जैन की देखरेख में हुई प्रक्रिया में 12 वर्षीय अंशिका कुम्हार से पर्ची निकलवाई गई। इस दौरान तहसीलदार रामदेव धाकड़, थानाधिकारी दिनेश चौधरी, सहायक विकास अधिकारी मिश्रीलाल कोली व सहायक लेखाधिकारी रवि कुमार खटीक सहित अधिकारी मौजूद रहे।

आरक्षण निर्धारण के साथ ही लंबे समय से चुनावी तैयारियों में जुटे संभावित प्रत्याशियों के समीकरण बदल गए हैं। कई सामान्य वर्ग के दावेदारों को सीट आरक्षित होने से झटका लगा है, जबकि आरक्षित वर्ग के नए दावेदारों के लिए चुनावी मैदान में उतरने का अवसर खुला है। अब संभावित प्रत्याशी आरक्षण के अनुरूप नए सिरे से रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

नवगठित पंचायत समिति के गठन के बाद यह पहला चुनाव होगा। पंचायत समिति प्रधान का पद अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित किया गया है। ऐसे में क्षेत्र को पहली बार एससी महिला प्रधान मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

सरपंच पदों की आरक्षण स्थिति में बावड़ी, ईटड़िया, खेड़ा हेतम, सणगारी, रलायता व पनोतिया सामान्य महिला, अरवड़, बासेड़ा व नई राज्यास एससी महिला, धनोप, कनेछन खुर्द व कनेछन कलां एससी, डोहरिया ओबीसी तथा कोठियां व तस्वारिया बांसा ओबीसी महिला के लिए आरक्षित हैं। बडला एसटी महिला और देवपुरी एसटी के लिए आरक्षित है, जबकि सांगरिया, देवरिया, हुकमपुरा, बालापुरा, खामोर, बच्छखेड़ा व बिलिया सामान्य श्रेणी में हैं।इधर कांग्रेस नेता किशनलाल गोदारा ने आरक्षण निर्धारण पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार ने पंचायत राज नियमों में ओबीसी आरक्षण 21 प्रतिशत निर्धारित किया है, जबकि नवगठित पंचायत समिति की ग्राम पंचायतों में ओबीसी आरक्षण करीब 16 प्रतिशत किया गया है।

धान खरीद को लेकर भारतीय किसान संघ ने खोला मोर्चा, डीसी को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

डीसी से मिला प्रतिनिधिमंडल, किसानों की समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

कैथल (कृष्ण प्रजापति): धान खरीद को लेकर किसानों के सामने आने वाली समस्याओं और खरीद व्यवस्था में सुधार के सुझावों को लेकर भारतीय किसान संघ का प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष जगदीश खुराना और प्रदेश प्रवक्ता रणदीप सिंह आर्य के नेतृत्व में उपायुक्त कैथल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपकर धान खरीद की व्यवस्था को किसान हितैषी बनाने तथा किसानों की फसल की समय पर खरीद सुनिश्चित करने की मांग की।

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार ने किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने का वादा किया था। अब धान खरीद के सीजन में सरकार को अपना वादा पूरा करते हुए ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे किसी भी किसान को अपनी मेहनत की फसल बेचने के लिए मंडियों में परेशान न होना पड़े।

किसान को मिले उसकी मेहनत का पूरा मूल्य : रणदीप आर्य

भारतीय किसान संघ के प्रदेश प्रवक्ता रणदीप सिंह आर्य ने कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए बार-बार मंडियों के चक्कर न लगाने पड़ें। खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता हो और किसानों को उनकी उपज का पूरा न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले। उन्होंने कहा कि धान खरीद के

दौरान मंडियों में पर्याप्त खरीद एजेंसियां, बारदाना, उठान और भुगतान की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। सरकार और प्रशासन को खरीद व्यवस्था की नियमित निगरानी करनी चाहिए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि सितंबर 2026 में हरियाणा सरकार ने धान की जल्दी आवक को देखते हुए केंद्र सरकार से खरीद 20 सितंबर से शुरू करने का अनुरोध किया था, जबकि पहले निर्धारित खरीद अवधि एक अक्टूबर से 15 नवंबर थी।

किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए : सतीश कुमार ग्योंग

प्रदेश मंत्री सतीश कुमार ग्योंग ने कहा कि धान खरीद के समय किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मंडियों में खरीद प्रक्रिया सुचारु रखने के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन के माध्यम से आग्रह किया कि किसानों की मांगों और सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएं। किसान संघ ने कहा कि सरकार को अपने वादे के अनुरूप किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल में ये पदाधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष जगदीश खुराना, प्रदेश मंत्री सतीश कुमार ग्योंग, प्रदेश प्रवक्ता रणदीप सिंह आर्य, जिला उपाध्यक्ष श्रीराम मोहना, जिला महामंत्री पाला राम क्योड़क, उपाध्यक्ष कृष्ण करोड़ा, युवा जिला अध्यक्ष जसविंदर सिरटा, मनप्रीत सिंह सिरटा, ढांड खंड अध्यक्ष प्रेम कुमार, पूंडरी खंड अध्यक्ष ईश्वर म्योली, सुरेंद्र करोड़ा और बलबीर ग्योंग सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

44 लाख रुपये से बदलेगी आदर्श नगर की सड़कों की तस्वीर

मेयर पदमजीत सिंह मेहता ने गली नंबर 9 से प्रीमिक्स का काम शुरू किया

बठिंडा, (सुरेश रहेजा, प्रवीण कुमार, साहिल रहेजा) बठिंडा शहर को मॉडर्न, सुंदर और सुविधाओं से भरपूर शहर बनाने के मकसद से नगर निगम अलग-अलग वार्डों में लगातार विकास के कामों को बढ़ावा दे रहा है। इसी सिलसिले में नगर निगम बठिंडा के मेयर श्री पदमजीत सिंह मेहता ने पार्षद श्रीमती अमनदीप कौर के वार्ड नंबर 1 के तहत आने वाले आदर्श नगर में करीब 44 लाख रुपये की लागत से प्रीमिक्स सड़क बनाने और सुंदर बनाने के काम का उद्घाटन किया। यह डेवलपमेंट काम गली नंबर 9 से शुरू किया गया।

इस मौके पर मिस्टर राणा रणदीप सिंह, मिस्टर अंकित सहगल, मिसेज लखविंदर कौर, डॉ. बलदेव सिंह, मास्टर दीवान सिंह, मिस्टर गुरचरण सिंह बाजक, मिस्टर बोहर सिंह चहल, डॉ. निर्मल सिंह, मिस्टर मनप्रीत सिंह मन्नी, मिस्टर लखवीर सिंह लाखा चहल, मिस्टर बलतेज सिंह, मिस्टर परमजीत सिंह, मिस्टर निरंजन सिंह, मिसेज लखवीर कौर, मिस्टर जगदीश सिंह, मिस्टर मोहन सिंह, मिस्टर परमजीत संधू, कैप्टन गुलजार सिंह, मिस्टर सीता राम, मिस्टर सुरिंदर सिंह चहल, मिस्टर गग्गू चहल, मिस्टर प्रमोद कुमार, मिस्टर निखिल सैनी और मिस्टर रमन चहल के साथ बड़ी संख्या में लोकल लोग मौजूद थे।

इस मौके पर मेयर मिस्टर पदमजीत सिंह मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार और नगर निगम बठिंडा शहर के हर तरह के डेवलपमेंट को प्राथमिकता दे रही है। नगर निगम का मकसद सिर्फ नई सड़कें बनाना ही नहीं है, बल्कि शहर के हर इलाके में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं देना भी है।

उन्होंने कहा कि ह्यमॉडर्न बठिंडाह्न के विजन के तहत शहर की सड़कें, गलियां, सीवरेज, पीने का पानी, स्ट्रीट लाइट समेत कई बेसिक सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। आदर्श नगर में शुरू किया गया प्रीमिक्स का काम भी इसी डेवलपमेंट प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जहां भी लंबे समय से सड़कों की मरम्मत या रेनोवेशन की जरूरत है, वहां काम को प्रायोरिटी के आधार पर किया जा रहा है।

मेयर श्री मेहता ने कहा कि डेवलपमेंट के कामों की क्वालिटी से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सड़क बनाने का काम तय स्टैंडर्ड के हिसाब से क्वालिटी के साथ पूरा किया जाए, ताकि इलाके के लोगों को लंबे समय तक इसका फायदा मिल सके।

उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के अलग-अलग वार्डों में चल रहे डेवलपमेंट के कामों का लगातार रिव्यू कर रहा है और पार्षदों और इलाके के लोगों से मिली जरूरतों के आधार पर प्रायोरिटी तय की जा रही हैं। उनका मकसद बठिंडा के हर वार्ड को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना और लोगों को उनके अपने इलाके में बेहतर सुविधाएं देना है।

बठिंडा ने एक अनोखी पहल की, नए जारी किए गए राशन कार्ड वेरिफाई करने वाली 38 आंगनवाड़ी वर्करों को खास सम्मान दिया

डिप्टी कमिश्नर ने हर आंगनवाड़ी वर्कर को सम्मान के तौर पर 1000 रुपये दिए

बठिंडा, (सुरेश रहेजा, प्रवीण कुमार, साहिल रहेजा) जिला प्रशासन बठिंडा ने श्री राजेश धीमान डिप्टी कमिश्नर बठिंडा की लीडरशिप में एक अनोखी पहल की। आंगनवाड़ी वर्करों से नए जारी किए गए राशन कार्डों का वेरिफि केशन किया गया और 100 परसेंट वेरिफि केशन पूरा करने वाली 38 आंगनवाड़ी वर्करों को खास सम्मान के तौर पर 38000 रुपये के चेक दिए गए। इन वर्करों को सम्मानित करते हुए श्री राजेश धीमान डिप्टी कमिश्नर बठिंडा ने कहा कि ज़िला बठिंडा में नए राशन कार्डों के वेरिफि केशन का काम आंगनवाड़ी वर्करों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार को नए राशन कार्ड बनाने और मौजूदा राशन कार्ड में सदस्य जोड़ने के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन मिली थीं।

इसके तहत 87742 एप्लीकेंट्स ने अप्लाई किया और उनका वेरिफिकेशन का काम 30 सितंबर तक पूरा हो जाएगा। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि वेरिफिकेशन का काम अलग-अलग डिपार्टमेंट के क्लेरिकल स्टाफ और गांवों में आंगनवाड़ी वर्कर्स को दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन आंगनवाड़ी वर्कर्स ने अपना काम 100 परसेंट और समय से पहले पूरा किया है, उन्हें आज सम्मानित किया गया है। उन्होंने आंगनवाड़ी वर्कर्स का खास तौर पर धन्यवाद किया और कहा कि इन वर्कर्स की मेहनत की वजह से ही सरकार की तरफ से स्कीम्स लागू हो पाती हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे कामों में बिजी होने के बावजूद इन आंगनवाड़ी वर्कर्स ने लगन से अपना काम किया, जो तारीफ के काबिल है। इस मौके पर एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (जे) मैडम कंचन, मिस्टर गुरतार सिंह डिस्ट्रिक्ट कंट्रोलर, फूड सिविल सप्लाईज एंड कंज्यूमर अफेयर्स।

श्री धन्वंतरि आयुर्वेदिक कॉलेज एवंअस्पताल ने शुरू किए स्किल-बेस्ड कोर्स

चंडीगढ़, (अमरपाल नूरपुरी) : सेक्टर 46 स्थित श्रीधन्वंतरि आयुर्वेदिक कॉलेज एंड अस्पताल (एसडीएसीएच) ने भारत सरकार केआयुष मंत्रालय के स्किल इंडिया डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत विभिन्न स्किल-बेस्डकोर्स शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य आयुष (आयुर्वेद, योग एवंप्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) क्षेत्र से जुड़े युवाओं कोजरूरी कौशल और व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इन कोर्स में संबंधितक्षेत्र की जानकारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इन कोर्सेज और अन्य महत्वपूर्ण

घोषणाओं कीजानकारी एसडीएसीएच परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री धन्वंतरिआयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के जनरल सेक्रेटरी डॉ. नरेश मित्तल ने दी। इस अवसरपर संस्थान के डायरेक्टर एवं एडमिनिस्ट्रेटर पं. सुदर्शन कुमार शास्त्री भीउपस्थित थे।डॉ. नरेश मित्तल ने बताया कि आयुषक्षेत्र में युवाओं को रोजगार से जुड़ा और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्यसे संबद्धता प्रक्रिया पूरी होने के बाद एसडीएसीएच, चंडीगढ़ में विभिन्नशॉर्ट-टर्म स्किल-बेस्ड कोर्स शुरू किए जाएंगे।

इन कोर्स का उद्देश्य युवाओं कोआयुर्वेद और हेल्थकेयर क्षेत्र में रोजगार के लिए जरूरी कौशल प्रदान करना है।उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कोर्सेज मेंएक वर्ष का पंचकर्मा टेक्नीशियन कोर्स, तीन महीने का गर्भिणी मित्रा कोर्स और तीनमहीने का आयुर्वेद मसाजर कोर्स शामिल हैं। इनका संचालन स्किल इंडिया पहल के तहतकिया जाएगा। इसके अलावा बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद और ह्यमल्टी टास्क वर्कर कोर्सश्री कृष्ण आयुष यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र के साथ संबद्धता में संचालित किएजाएंगे।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सादर प्रकाशनार्थ :-

जयपुर, केन्द्र में लगातार भाजपा वोट चोरी से सरकार बना रही है, इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में देश का जनमत भाजपा के खिलाफ था, किन्तु चुनाव आयोग को अपनी साजिश में शामिल कर भाजपा और उनके नेता अमित शाह ने राज्य में सरकार लूटने का कार्य किया है। लोकसभा में नेता विपक्ष श्री राहुल गॉधी ने प्रेस कान्फ्रेंस के माध्यम से सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की थी, एसआईआर में किस प्रकार धांधली और बईमानी कर आम जनता के वोट को लूटा जा रहा है, काटा जा रहा है और मनमर्जी से हटाया जा रहा है, यह सभी मनमाने फैसले भाजपा और उनके बड़े नेताओं के ईशारे पर चुनाव आयोग द्वारा किये जा रहे हैं। अब प्रमुख समाचार पत्र में जिस प्रकार चुनाव आयोग की कारगुजारी को उजागर किया गया है, पिछले 10 माह में 14 बार चुनाव आयोग के दो सदस्यों श्री विवेक जोशी और श्री सुखवीर सिंह संधू ने आपत्ति दर्ज करवाई, यह सबके सामने आ चुका है। इन दो सदस्यों ने स्पष्ट रूप से चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री ज्ञानेश कुमार के खिलाफ वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने हेतु जारी फार्म 6 में जो बदलाव किये गये, मतदाताओं के नाम जोडे तथा हटाने के लिये केन्द्रीयकृत व्यवस्था

और पश्चिम बंगाल में एसआईआर में नाम काटने के पश्चात जो नाम पुनः जोड़े गये उनके विरूद्ध अपील करने के आधार और निर्णय लेने के औचित्य तथा निर्णय में शामिल नहीं करने पर आपत्ति दर्ज करवाई है। उक्त विचार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये।

श्री डोटासरा ने कहा कि देश के चुनाव की पूरी प्रक्रिया व सिस्टम जिसे पारदर्शी होना चाहिये तथा चुनाव आयोग में तीनों सदस्यों में सर्वसम्मति अथवा बहुमत के आधार पर फैसला होना चाहिये, के विरूद्ध जाकर पूरे सिस्टम को मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने हाईजेक कर लिया है। 1995 में माननीय उच्चतम न्यायालय का निर्णय है कि चुनाव आयोग में जो भी निर्णय हो या तो सर्वसम्मति से हो अथवा बहुमत के आधार पर हो, एक व्यक्ति का फैसला नहीं चल सकता है।

चुनाव आयोग में ज्ञानेश कुमार द्वारा जो गड़बडि करवाई जा रही हैं, उसमें उन्हें आगे जाकर कोई सजा नहीं हो और कार्यवाही भी नहीं हो, इसके लिये भाजपा की केन्द्र सरकार ने आश्वस्त किया और कानून बना दिया है कि निर्वाचन आयोग के किसी भी मुख्य निर्वाचन अधिकारी अथवा सदस्यों की निर्वाचन आयोग के कार्यों को लेकर गिरफ्तारी नहीं हो सकती और कोई कार्यवाही नहीं हो सकती, यह कानून उस वक्त बना जब संसद से 143 विपक्षी सांसदों को संसद से निलम्बित किया गया था, यहॉ यह बताया जाना आवश्यक है।

ड्रग्स के खिलाफ जंग: गांव लेवल पर खास इवेंट 29 सितंबर से

गांव/वार्ड डिफेंस कमेटी हर गांव और वार्ड में अवेयरनेस एक्टिविटी करेगी

बठिंडा, : (सुरेश रहेजा, प्रवीण कुमार, साहिल रहेजा) पंजाब सरकार की तरफ से ड्रग्स को खत्म करने के लिए शुरू किए गए वॉर अगेंस्ट ड्रग्स कैंपेन के तहत, आम लोगों को ड्रग्स के खिलाफ अवेयर करने के लिए 29 सितंबर से हर गांव और वार्ड में एक खास कैंपेन शुरू किया जा रहा है।

इस बारे में बुलाई गई एक खास मीटिंग को संबोधित करते हुए, बठिंडा के डिप्टी कमिश्नर, श्री राजेश धीमान ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ यह कैंपेन हर वार्ड और गांव लेवल पर चलाया जाएगा। 29 सितंबर से अलग-अलग जगहों पर युवाओं की खास भागीदारी से लोगों को ड्रग्स के खिलाफ मोटिवेट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस खास कैंपेन में सिविल और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन का भी अहम रोल होगा।

बठिंडा के एसएसपी श्री सुहैल कासिम मीर ने कहा कि पुलिस डिफेंस कमेटी की मदद से लगातार ड्रग्स सप्लाई पर नकेल कस रही है।

जहां भी कमेटी के मेंबर या दूसरे लोग ड्रग्स ट्रैफिकिंग के बारे में जानकारी देते हैं, पुलिस वहां रेड करके एक्शन लेती है। उन्होंने कहा कि डिफेंस कमेटी की मदद से बठिंडा पुलिस ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

इस मौके पर मौजूद वार्ड और डिफेंस कमेटी के सदस्यों ने चर्चा की। इस मौके पर श्री बलकार सिंह सिद्धू विधायक रामपुरा फूल, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर मैडम कंचन, श्री गोपाल सिंह हलका इंचार्ज बठिंडा रूरल, श्री गुरसेवक सिंह बंदी वॉर ऑन ड्रग्स के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, जिले के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट, डीएसपी, डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट एंड पंचायत ऑफिसर और दूसरे अधिकारी वगैरह मौजूद थे।

धान की सरकारी खरीद 1 अक्टूबर से शुरू होगी: डिप्टी कमिश्नर

किसानों से अपील है कि वे मंडियों में सूखा धान लेकर आएं

बठिंडा,(सुरेश रहेजा, प्रवीण कुमार, साहिल रहेजा)बठिंडा के डिप्टी कमिश्नर श्री राजेश धीमान ने कहा कि जिले में धान की सरकारी खरीद 1 अक्टूबर से शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन किसानों को अपनी फसल बेचते समय कोई दिक्कत न हो, इसके लिए सही इंतजाम कर रहा है। जिले की 201 मंडियों में धान खरीदा जाएगा।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि पंजाब सरकार के निदेर्शों के अनुसार, धान की खरीद प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी तरीके से करने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा और फसल की समय पर खरीद के लिए जिला प्रशासन खरीद प्रक्रिया पर लगातार नजर रखेगा।

डिप्टी कमिश्नर ने किसानों से अपील की कि वे मंडियों में सिर्फ सूखी धान की फसल ही लाएं ताकि फसल की सुचारू और बिना किसी परेशानी के खरीद सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि किसान फसल की कटाई और उसे बाजार में लाने के लिए तय नियमों का पालन करें ताकि खरीद प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए। डिप्टी कमिश्नर ने सभी किसानों से धान की कटाई के बाद बची हुई पराली और दूसरी फसल के बचे हुए हिस्से को न जलाने

की अपील की और कहा कि पराली को जलाने के बजाय उसका सही मैनेजमेंट किया जाना चाहिए और हो सके तो उसे खेत की मिट्टी में मिला देना चाहिए। उन्होंने कहा कि फसल के बचे हुए हिस्से को खेत में मिलाने से न सिर्फ मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बनी रहती है, बल्कि हवा के प्रदूषण को रोकने और पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धान की खरीद और पराली के मैनेजमेंट के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे इंतजामों में सहयोग करें।

पं. दीनदयाल उपाध्याय सेवा संकल्प समारोह की तैयारियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने लिया जायजा

जयपुर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने 25 सितंबर को दादिया में आयोजित होने वाले पं. दीनदयाल उपाध्याय सेवा संकल्प समारोह की तैयारियों का निरीक्षण कर सभा स्थल का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, मंच, बैठक व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राठौड़ ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के निकायों के जनप्रतिनिधियों के साथ भाजपा कार्यकताओं को संगठन एवं जनसेवा के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि 25 सितंबर को कार्यक्रमों की शुरूआत प्रातः 7:30 बजे अल्बर्ट हॉल से स्वच्छता अभियान के साथ होगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित इस अभियान के माध्यम से समाज को स्वच्छता, साफ-सफाई और जनजागरूकता का संदेश दिया जाएगा। इसके उपरांत प्रातः 11:00 बजे दादिया में निकाय जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित होगा, जबकि दोपहर 2:30 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शाम को आरआईसी में संगठनात्मक बैठक भी प्रस्तावित है। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री नारायण मीणा, विधायक कैलाश वर्मा, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ सहित प्रदेश के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जुरहरा रामलीला कमेटी की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

रतन वशिष्ठ मंत्री पद पर मनोनीत

जुरहरा, जिला डीग रेखचंद्र भारद्वाजः कस्बे में आयोजित होने वाले 174 वें श्री रामलीला महोत्सव के आयोजन को लेकर हाल ही में कस्बे के नए रामलीला मैंदान में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कस्बे के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में नवीन रामलीला कमेटी की कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया। कार्यकारिणी में सर्व सम्मति से गौरीशंकर शर्मा को अध्यक्ष, सुभाष चंद गौड को उपाध्यक्ष, विनोद मानवी को उपाध्यक्ष, मक्खन जांगिड को उपाध्यक्ष, रतन वशिष्ठ को मंत्री, सोनू खण्डेलवाल को उपमंत्री, ललित सहसनिया को उपमंत्री, हरीश खण्डेलवाल को कोषाध्यक्ष, लक्ष्मण अग्रवाल को सह कोषाध्यक्ष, अजय वृन्दावनिया को संगठन मंत्री, गोवर्धन लाल शर्मा व भूपेश साहू को सामान संरक्षक, डॉ. सोहन लाल शर्मा को प्रचार मंत्री, रेखचंद भारद्वाज व अखिल वशिष्ठ को मीडिया प्रभारी, पात्र वितरक एवं व्यास भगवानदास पाराशर व श्रृंगारी के पद पर श्यामसखा तिवारी को मनोनीत किया गया है। नवीन रामलीला कमेटी के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा ने बताया कि 16 दिवसीय 174 वें रामलीला महोत्सव का आयोजन आगामी 7 अक्टूबर बुधवार से आरम्भ होगा। जिसके लिए कमेटी की ओर से तैयारियां की जा रही हैं।

डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल को ग्लोबल पीस आइकन 2026 सम्मान

कोलकाता। संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ कस्बा की ओर से वर्ल्ड योग एंड मेडिटेशन एकेडमी के प्रेसिडेंट डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल को ग्लोबल पीस आइकन 2026 अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें आंतरिक शांति, सद्भाव तथा शांतिपूर्ण जीवनशैली की संस्कृति को बढ़ावा देने के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया।

समारोह में शिक्षाविद् प्रो. डॉ. समीर दास, डॉ. प्रोसेनजीत मुखर्जी, समाजसेवी ओम प्रकाश मिश्र तथा रोटरी क्लब ऑफ कस्बा के मैनेजिंग ट्रस्टी आशीष बसाक ने डॉ. अग्रवाल को सम्मान प्रदान किया।

डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल योग, ध्यान, प्राकृतिक चिकित्सा और भगवद्गीता जैसे विषयों पर लेखन एवं अध्ययन के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने इन विषयों से संबंधित कई पुस्तकों और शैक्षिक रचनाओं का लेखन किया है। उनके लेखन में समग्र स्वास्थ्य, आध्यात्मिक जागरूकता और मानवीय विकास पर विशेष जोर दिया गया है।

सम्मान समारोह के दौरान डॉ. अग्रवाल के शांति और सद्भाव से जुड़े कार्यों की सराहना की गई। ह्यग्लोबल पीस आइकन 2026 अवार्डह्न के माध्यम से उनके उस संदेश को रेखांकित किया गया कि स्थायी शांति की शुरूआत व्यक्ति के भीतर से होती है और करुणा, सद्भाव तथा सचेत जीवन के माध्यम से इसे व्यापक समाज तक पहुंचाया जा सकता है।

स्टूडेंट्स के ब्राइट फ्यूचर के लिए टीचर्स को नई टेक्नोलॉजी से लैस होना जरूरी है: डिप्टी डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर

बठिंडा, (सुरेश रहेजा, प्रवीण कुमार, साहिल रहेजा) डायरेक्टर एससीईआर टी के निदेर्शों के अनुसार, सेशन 2026-27 के तहत बजे श्री स्कूलों के टीचर्स के लिए डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (डीट), दून में तीन दिन की डिस्ट्रिक्ट लेवल कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। यह ट्रेनिंग डीट प्रिंसिपल एस. वरिंदरपाल सिद्धू की काबिल लीडरशिप में आसानी से चल रही है।

आज इस ट्रेनिंग कैंप के दौरान डिप्टी डियो (एस.ई.) एस. चमकौर सिंह ने हाई-लेवल विजिट किया। उन्होंने चल रहे अलग-अलग सेशन का रिव्यू किया और टीचर्स से चर्चा करते हुए कहा कि आज के मॉडर्न जमाने में टीचर्स का नई टेक्नोलॉजी और टीचिंग मेथड्स से लैस होना बहुत जरूरी है, ताकि सरकारी स्कूलों में स्टूडेंट्स को क्वालिटी एजुकेशन दी जा सके।

अपने भाषण के दौरान उन्होंने कहा कि नई एजुकेशन पॉलिसी के तहत आने वाले समय में पेपर्स का पैटर्न पूरी तरह से कॉम्पिटेंसी-बेस्ड होगा। इसलिए टीचर्स को अभी से स्टूडेंट्स को रट्टा मारने के बजाय समझ पर आधारित शिक्षा देनी चाहिए। उन्होंने टीचर्स को अलग-अलग तरह के कॉम्पिटेंसी-बेस्ड सवाल बनाकर तैयारी करने के लिए मोटिवेट किया। उन्होंने कहा कि जहां बोर्ड क्लासेस पर ध्यान दिया जाता है, वहीं नॉन-बोर्ड क्लासेस (6वां से 9वां और 11ई) को भी उतनी ही अहमियत देना जरूरी है ताकि बच्चों की नींव मजबूत हो सके। उन्होंने सभी टीचर्स को हमेशा तैयार रहने पर जोर दिया।

इस मौके पर, ट्रेनिंग के इंतजाम और एक्टिविटीज को डीआरसी बाल कृष्ण अग्रवाल, बीआरसी कोऑर्डिनेटर हरजीत सिंह और कोऑर्डिनेटर मिसेज वीनू ने अच्छे से संभाला। वर्कशॉप के दौरान, स्टेट लेवल पर ट्रेंड केआरपीएस (की रिसोर्स पर्सन) टीचर्स को नई एजुकेशन पॉलिसी और पढ़ाने के नए तरीकों के बारे में डिटेल में जानकारी दे रहे हैं।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है।

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दशार्ती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रेल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रेल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, टूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है। अमेरिकी नीतियों से केवल विश्व के अन्य देश ही नहीं बल्कि अमेरिकी कम्पनियां भी परेशानी महसूस करने लगी हैं एवं वे अपनी इकाईयों को भारत सहित अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं।

भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने सम्बंधों को सुधारने का लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर नागरिकों को सनातन संस्कृति के संस्कारों से परिचित कराने के प्रयास भी भारत द्वारा किए जा रहे हैं ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक डॉ मोहन भागवत जी ने हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा सम्पन्न की है। इन देशों में आयोजित सर्व धर्म सभाओं में अन्य धर्मों के धमार्चार्यों की भी उत्साहपूर्वक भागीदारी रही है। उक्त यात्रा में न्यूयार्क में सार्वभौमिक एकात्मता, टोरंटो में विश्व से मित्रता एवं लंदन में अपनेपन के संदेश के साथ डा भागवत ने सामाजिक समरसता, सेवा, विविधता के बीच एकता और नागरिक कर्तव्य पर भी जोर दिया। प्रवासी भारतीयों से उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी निष्ठा निभाने का आह्वान किया। एक तरफ भारत पूरे विश्व में सामंजस्य स्थापित कर शांति स्थापित करना चाहता है तो दूसरी ओर अमेरिका विभिन्न देशों पर अपने एकतरफा नियम थोपना चाहता है, चाहे वह टैरिफ से सम्बंधित हों अथवा अन्य देशों पर सैंक्शन लगाने से सम्बंधित हों। वेनेंजुएल जैसे कुछ छोटे देशों पर तो अमेरिका ने एक तरह से अपना पूरा नियंत्रण ही स्थापित कर लिया है एवं वहां के तेल के कुओं से निकलने वाले कच्चे तेल पर अपना पूर्ण अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया है।

केवल अमेरिका ही क्यों, पूरे विश्व को ही आज भारत की सनातन संस्कृति के संस्कारों को जानने एवं उन पर अमल करने की आवश्यकता है। तभी, ईरान - अमेरिका, रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास जैसे युद्धों को टाला जा सकेगा और पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकेगी।

(प्रहलाद सबनानी, सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संपादकीय

जवाबदेही तय हो

आये दिन देश के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक संसाधन जुटाने में पारदर्शिता के अभाव की खबरें सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपनी सुविधा के हिसाब से कायदे-कानून बनाने और शैक्षिक जवाबदेही से बचने के रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आलोक में देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के लिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निदेर्शों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है। दूसरे शब्दों में अदालत के निदेर्शों में यह जानने का प्रयास किया गया है कि प्रवेश के समय छात्रों को सुविधाओं के जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं उसके मुकाबले हकीकत में कितनी सुविधाएं मिलती हैं। कह सकते हैं कि यह एक आवश्यक रियलिटी चेक है। वास्तव में कोर्ट की जिज्ञासा के पीछे ठोस कारण भी हैं। दरअसल, समाज में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे-धीरे एक बिजनेस मॉडल का रूप लेने लगा है। आक्षेप तो यहां तक हैं कि शिक्षा का ये कारोबार रियल एस्टेट मॉडल में बदल गया है। जहां सिर्फ इस बात से ही फर्क पड़ता है कि कितने छात्र दाखिला ले रहे हैं और विभिन्न प्रकार के शुल्क लगाने से इन संस्थानों को कितना मुनाफा हो रहा है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तार्किक ही है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को शिक्षा के व्यापक सार्वजनिक उद्देश्य को पूरा करना चाहिए। वे सिर्फ मुनाफे के लिये ही काम नहीं कर सकते। कोर्ट का कहने का अभिप्राय है कि छात्रों के किसी भी तरह के शोषण को रोकने के लिये मजबूत नियामक संस्था की निगरानी जरूरी है।

निस्संदेह, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में उच्च शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं सरकारी विश्वविद्यालय इस मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं। वजह साफ है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते सरकारी संस्थान ज्यादा संख्या में छात्रों को मौका देने में विफल नजर आते हैं। जिसके चलते देश में निजी विश्वविद्यालयों को पांव पसारने का मौका मिल रहा है। वहीं एक हकीकत यह भी है कि कड़ी स्पर्धा वाले निजी क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में आधी-अधूरी सच्चाइयों का सहारा लेकर अपना कारोबार बढ़ाया है। पर्याप्त शैक्षिक ढांचा न होने, योग्य-अनुभवी शिक्षकों की कमी और प्रभावी अकादमिक शोध की अनदेखी के बावजूद विश्वविद्यालय परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है। वहीं दूसरी ओर प्लेसमेंट के बाबत भी आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। दरअसल, यदि फैकल्टी डेवलपमेंट की कमी एक समस्या है, तो उससे अधिक चिंता करने वाली बात यह भी है कि कम स्टाफ पर ज्यादा काम करने का अतिरिक्त बोझ भी है। अंततः इस सब का खामियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है, क्योंकि उनके हितों से ही समझौता किया जाता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बावजूद निजी विश्वविद्यालयों के लिये फीस स्ट्रक्चर, कर्मचारियों के वेतन, अन्य खर्चों व सरकार से मिलने वाले फायदों या भर्ती और शिक्षा के मानकों के बारे बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी देना मुश्किल नहीं होगा। कागजी कार्यवाही पूरी करने की उनकी महारत पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। सही मायने में असली चुनौती सख्त जांच-पड़ताल की होगी। खासकर उस वातावरण में जहां लंबे समय से नियमों और सही तौर-तरीकों की अनदेखी की जाती रही है। हकीकत में निजी विश्वविद्यालयों के लिये जिम्मेदारी और जवाबदेही अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश में उच्च शिक्षा का नियमन करने वाली संस्थाएं अब अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करेंगी। तभी सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं।

सूक्ति

ईश्वर ने हमारे मष्तिष्क और व्यक्तित्व में असीमित शक्तियां और छमता दी हैं। - अज्ञात

बिना उत्साह के कभी किसी उच्च लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती -एमर्सन

मतदाता सूची का पुनरीक्षण: सुधार जरूरी, लेकिन पारदर्शिता उससे भी जरूरी

सौरभ वार्ष्णेय

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर ने एक बार फिर देश के चुनावी तंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस प्रक्रिया के दौरान पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कई वरिष्ठ अधिकारियों समेत अनेक चर्चित लोगों को नोटिस दिए जाने की खबर सामने आई है। पहली नजर में यह खबर इसलिए चौंकाती है क्योंकि जब सार्वजनिक जीवन से जुड़े इतने प्रतिष्ठित लोगों के रिकॉर्ड में विसंगतियां मिल रही हैं, तो सामान्य नागरिकों के पुराने और वर्तमान मतदाता रिकॉर्ड की स्थिति को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए सबसे पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि एसआईआर नोटिस मिलना मतदाता सूची से नाम हट जाने के बराबर नहीं है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार नोटिस उन मामलों में दिए जा रहे हैं जहां वर्तमान मतदाता विवरण को 2002 की पिछली मतदाता सूची से जोड़ा नहीं जा सका या इनुर्मेशन फार्म में कुछ विसंगतियां पाई गईं। इसके बाद संबंधित मतदाता को दस्तावेजों के माध्यम से अपनी पात्रता और विवरण की पुष्टि करने का अवसर दिया जा रहा है।

यही अंतर इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। मतदाता सूची को साफ सुथरा, अद्यतन और त्रुटिरहित रखना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। मृत व्यक्तियों, स्थान बदल चुके मतदाताओं, दोहरे नामों या गलत प्रविष्टियों को हटाना और पात्र नागरिकों के नाम सुनिश्चित करना चुनाव की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार स्ढ्ढक्र का उद्देश्य ही मतदाता सूची की शुद्धता और अखंडता बनाए रखना है। दिल्ली के मामले में 2002 की मतदाता सूची को एक महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। चुनाव आयोग ने नागरिकों से पुरानी सूची में अपना या अपने माता-पिता का नाम और संबंधित विवरण देखने को कहा था। जिन लोगों का नाम 2002 की दिल्ली सूची में नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता का नाम है, उनके लिए भी अलग प्रक्रिया निर्धारित की गई है। दूसरे राज्यों से बाद में दिल्ली आकर बसे लोगों के लिए संबंधित राज्य की पिछली एसआईआर सूची के विवरण का प्रावधान रखा गया है। समस्या यहां से शुरू होती है कि दो दशक से भी अधिक पुराने रिकॉर्ड को वर्तमान नागरिक की पहचान और पात्रता से जोडा अपने आप में आसान काम नहीं है। वर्ष 2002 से अब तक लाखों लोगों के पते बदले हैं, परिवारों की संरचना बदली है, नामों की वर्तनी बदली है और अनेक परिवार एक शहर से दूसरे शहर चले गए हैं। पुराने रिकॉर्ड में नाम की छोटी सी वर्तनी भिन्नता भी आज की डिजिटल मिलान प्रक्रिया में मिसमैच बन सकती है।

इसीलिए 33.13 लाख लोगों का आंकड़ा अपने आप में न तो यह सिद्ध करता है कि इतने लोग अपात्र हैं और न ही यह कि इतने लोगों के रिकॉर्ड गलत हैं। यह संख्या मुख्यतः उन लोगों की है जिनके मामलों में आगे सत्यापन की जरूरत महसूस की गई है। रिपोर्टों के अनुसार लगभग 97 लाख मतदाता ड्राफ्ट सूची में हैं और 33.13 लाख मतदाताओं को विसंगतियों के आधार पर नोटिस के लिए चिन्हित किया गया है।

यहां चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी पारदर्शिता की है। किसी नागरिक को नोटिस दिया जाता है तो उसे यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि समस्या क्या है ? नाम का अंतर है, उम्र संबंधी विसंगति है, पते का सवाल है, पुराने रिकॉर्ड से मैपिंग नहीं हुई है या किसी अन्य कारण से सत्यापन आवश्यक है। हाल में इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका पहुंची है, जिसमें नोटिस पाने वाले मतदाताओं के नाम और नोटिस के कारणों को सार्वजनिक करने की मांग की गई है। यह मांग बताती है कि इतने बड़े पैमाने की चुनावी प्रक्रिया में केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है; नागरिकों को यह भी पता होना चाहिए कि उनके रिकॉर्ड पर सवाल क्यों उठा है। चुनाव प्रक्रिया में नोटिस देना जांच का साधन होना चाहिए, सजा का नहीं। किसी व्यक्ति के रिकॉर्ड में गलती मिलना और उसके मतदान के अधिकार पर अंतिम निर्णय लेना दो अलग-अलग चरण हैं। इसलिए प्रत्येक मतदाता को पर्याप्त समय, स्पष्ट सूचना, सुनवाई का अवसर और दस्तावेज प्रस्तुत करने की सरल व्यवस्था मिलनी चाहिए। इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जब प्रतिष्ठित और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के रिकॉर्ड भी सत्यापन के दायरे में आ रहे हैं, तो इससे एक सकारात्मक संदेश भी निकलता है कम से कम प्रक्रिया कागज पर किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। लेकिन यही बात आम नागरिक के लिए भी समान रूप से लागू होनी चाहिए। किसी मंत्री, पूर्व उपराष्ट्रपति, अधिकारी या आम मतदाता सभी के मामले में नियम एक जैसे होने चाहिए। चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता इसी समानता पर टिकी है।

बेटियों की उड़ान ने बदली सफलता की परिभाषा

- खेल के मैदान से नेतृत्व की कुर्सी तक महिलाओं का बढ़ता प्रभाव
- आत्मविश्वास और संघर्ष से महिलाएं लिख रही हैं नई कामयाबी की कहानी

कांतिलाल मांडोत

नागोया में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत ने भारतीय महिला क्रिकेट की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ दिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 79 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 48 और ऋचा घोष ने 49 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 69 रन पर सिमट गई। दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए, जबकि शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लेकर भारत की जीत सुनिश्चित की। यह जीत केवल एक क्रिकेट मुकाबले की सफलता नहीं है, बल्कि उन बेटियों की मेहनत और क्षमता का प्रमाण है, जिन्होंने खेल के मैदान में अपनी पहचान मजबूत की है।

भारतीय महिला टीम की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बेटियों के प्रति समाज की सोच में आए बदलाव को समझा जा सकता है। कभी महिलाओं को कमजोर समझकर उनके अवसर सीमित कर दिए जाते थे, लेकिन आज वही महिलाएं देश के लिए पदक जीत रही हैं, रिकॉर्ड बना रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं। क्रिकेट के मैदान पर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला खिलाड़ी यह साबित कर रही हैं कि नेतृत्व किसी एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है। अनुशासन, प्रतिभा, मेहनत और जिम्मेदारी के आधार पर महिलाएं हर चुनौती का सामना कर सकती हैं।

महिलाओं की प्रगति केवल खेल तक सीमित नहीं है। शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, सेना, न्यायपालिका, उद्योग, राजनीति, कला, तकनीक और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। देश की अनेक महिलाएं बड़ी कंपनियों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद तक पहुंचकर संस्थानों का नेतृत्व कर रही हैं। वे हजारों कर्मचारियों के कामकाज, करोड़ों रुपये के कारोबार और बड़े निर्णयों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह बदलाव बताता है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन कर सकती हैं।

महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके साथ जिम्मेदारी का भाव भी दिखाई देता है। परिवार संभालने से लेकर पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेने तक महिलाएं अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं। यही अनुभव उन्हें परिस्थितियों को समझने, धैर्य के साथ निर्णय लेने और कठिन समय में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। क्रिकेट की पिच पर दबाव के बीच निर्णय लेने वाली खिलाड़ी हो या किसी बड़े संस्थान की जिम्मेदारी संभालने वाली अधिकारी, दोनों ही उदाहरण बताते हैं कि महिलाओं ने जवाबदेही को अपनी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बनाया है।

आज बेटियां केवल अपने लिए आगे नहीं बढ़ रही हैं, बल्कि उनके कदमों से समाज की दूसरी बेटियों के लिए रास्ते खुल रहे हैं। किसी छोटे शहर या गांव की लड़की जब किसी महिला खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करते देखती है तो उसके भीतर भी आगे बढ़ने का विश्वास पैदा होता है। जब कोई महिला चिकित्सक, इंजीनियर, अधिकारी, वैज्ञानिक या कंपनी की प्रमुख बनती है तो दूसरी महिलाओं को यह संदेश मिलता है कि सीमाएं जन्म से तय नहीं होतीं। मेहनत, शिक्षा और अवसर के माध्यम से उन्हें बदला जा सकता है। महिलाओं की सफलता का असर परिवार और समाज दोनों पर पड़ता है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला अपने परिवार के निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाती है और अगली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा तथा संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान करती है। आर्थिक रूप से सक्षम महिला परिवार की मजबूती बढ़ाती है। वहीं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाएं समाज की समस्याओं को नए दृष्टिकोण से सामने लाती हैं। इस प्रकार एक महिला की सफलता का प्रभाव केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके आसपास की अनेक महिलाओं के जीवन को प्रभावित करता है। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस परिवर्तन का स्पष्ट उदाहरण है। क्रिकेट, कुश्ती, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स और अन्य खेलों में भारतीय बेटियों ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर यह साबित किया है कि प्रतिभा अवसर की तलाश करती है और अवसर मिलने पर परिणाम सामने आता है। महिला खिलाड़ियों की सफलता ने अभिभावकों की सोच भी बदली है। अब बेटियों को केवल पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें खेल और करियर के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिलाओं की प्रगति का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्मनिर्भरता भी है। आज बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं का कारोबार शुरू कर रही हैं, रोजगार दे रही हैं और आर्थिक गतिविधियों में योगदान कर रही हैं। गांवों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे व्यवसाय चला रही हैं, जबकि शहरों में महिलाएं नई कंपनियां स्थापित कर रही हैं। तकनीक ने भी महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है। घर से काम करने, ऑनलाइन कारोबार और डिजिटल माध्यमों ने अनेक महिलाओं को अपनी प्रतिभा को आय के साधन में बदलने का अवसर दिया है। हालांकि महिलाओं की उपलब्धियों को केवल पुरस्कारों और पदकों से नहीं मापा जा सकता। असली सफलता तब होगी जब हर बेटी को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और अपनी पसंद का क्षेत्र चुनने की स्वतंत्रता मिले। परिवारों और समाज को बेटियों की प्रतिभा पर भरोसा करना होगा। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देना होगा और असफलता के डर से रोकने के बजाय संघर्ष से सीखने का अवसर देना होगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत इसी बदलती तस्वीर का प्रतीक है। मैदान पर बल्ले और गेंद से इतिहास रचने वाली बेटियां समाज को यह संदेश दे रही हैं कि महिलाओं की क्षमता को सीमित नजर से देखने का समय पीछे छूट चुका है। आज महिला केवल किसी की बेटी, बहन, पत्नी या मां की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह स्वयं अपनी अलग पहचान बना रही है। वह नेतृत्व कर रही है, निर्णय ले रही है, जिम्मेदारी उठा रही है और सफलता के नए मानक स्थापित कर रही है। महिलाओं की यह यात्रा अभी जारी है। आज की सफल खिलाड़ी, अधिकारी, वैज्ञानिक, चिकित्सक, उद्यमी और कंपनी प्रमुख आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। एक बेटी की सफलता दूसरी बेटी के सपनों को मजबूत करती है। यही बदलाव समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बेटियां आगे बढ़ेंगी तो परिवार आगे बढ़ेगा, परिवार आगे बढ़ेगा तो समाज मजबूत होगा और समाज मजबूत होगा तो देश की प्रगति को नई गति मिलेगी। महिला अबला नहीं, बल्कि अपने आत्मविश्वास, प्रतिभा और मेहनत के बल पर सफलता की अग्रिम पंक्ति में खड़ी सबला शक्ति है।

सिगरेट के शौकीनों को कश लगाना पड़ेगा मंहगा.....गोल्ड फ्लेक सिगरेट हुई महंगी

मुंबई।

देश की सबसे बड़ी सिगरेट निर्माता कंपनी आईटीसी ने अपने मशहूर ब्रांड गोल्ड फ्लेक सिगरेट की कीमतों में फिर बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि गोल्ड फ्लेक प्रीमियम और इसके संबंधित वेरिएंट्स पर लागू हुई है, इससे अब 10 और 20 सिगरेट वाले पैकेट महंगे हुए हैं। दाम बढ़ने के बाद, 10 सिगरेट के पैक की कीमत 115 से बढ़कर 135 रुपए हो गई है। कंपनी ने इस साल गोल्ड फ्लेक प्रीमियम के दाम में 17.4 प्रतिशत का इजाफा किया है। यानी, अब सिगरेट के शौकीनों को कश लगाने के लिए पहले से अधिक कीमत चुकानी होगी और उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

28 से 30 तक राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल, 25 सितंबर तक निपटा लें सभी जरूरी काम

-26 को शनिवार, 27 को रविवार बंद, पांच दिनों तक बैंक का काम रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली।

अगर बैंक से जुड़ा आपका कोई जरूरी काम बाकी है, तो उसे जल्द से जल्द निपटा लेना आपके लिए बेहतर होगा। पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे 28 से 30 सितंबर के बीच प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए 25 सितंबर तक अपनी शाखा से जुड़े सभी जरूरी काम पूरे कर लें। बैंक ने अपने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि हड़ताल में शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

यह हड़ताल 28 से 30 सितंबर तक है, लेकिन इससे पहले 26 सितंबर को चौथा शनिवार और 27 सितंबर को रविवार है। इसका मतलब है कि लगातार पांच दिनों तक बैंक शाखाओं में काम प्रभावित हो सकता है। ऐसे में बैंक के काम अंतिम समय तक न टालें। हड़ताल के दौरान शाखाओं पर कामकाज प्रभावित होने की स्थिति में ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि पीएनबी ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एटीएम, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध रखने की पूरी कोशिश की जाएगी।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर पहुंच गया है। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में भी तेजी रही और ये 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गयी है। प्राप्त जानकारों के अनुसार, सोने की कीमतों में इसह तेजी का कारण पिछले कुछ दिनों से इसमें लगातार को रही बढ़त है। एमसीएक्स पर बीते कारोबारी सत्र में सोना 696 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,716 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को सुबह बाजार खुलते ही सोने में करीब 80 रुपये की तेजी दिखी और यह सिलसिला जारी रहा। सुबह 10.50 बजे तक सोने का वायदा भाव 74 रुपये और बढ़कर 1,52,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यह कीमत 24 कैरेट यानी 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने के लिए है, जो निवेशकों और खरीदारों के लिए एक महत्वपूर्ण मानक होता है।

इसके अलावा चांदी में भी काफी तेजी दर्ज की गयी। सोने की तुलना में चांदी में तो एक हजार रुपये के आसपास का उछाल दिख रहा है। आज सुबह चांदी के वायदा भाव में 900 रुपये से भी अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। सुबह 10.50 बजे तक यह उछाल थोड़ा कम होकर 729 रुपये पर आ गया। इसके बाद एमसीएक्स पर चांदी 2,40,642 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

जानकारों का कहना है कि आने वाले त्यौहारी सीजन को देखते हुए कीमतों में और तेजी आ सकती है। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के चलते आने वाले समय में भी इन कीमती धातुओं के दाम ऊपर बने रह सकते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

संसेक्स 299, निफ्टी 117 अंक उछल

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इससे जिससे निवेशकों ने राहत की सांस ली है। बाजार में लौटी रौनक के पीछे वैश्विक स्तर पर उभरते सकारात्मक संकेतों के साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में आई स्थिरता को भी माना जारहा है। अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा बातचीत शुरू होने की उम्मीदों ने भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने की संभावना जताई। इन अनुकूल घटनाक्रमों ने घरेलू निवेशकों की धारणा को मजबूत किया और खरीदारी का माहौल बना, जिसके चलते बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक शानदार बढ़त के साथ बंद हुए।इस सकारात्मक रुख के चलते, कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 299.17 अंकों की शानदार बढ़त के साथ ही 74,828.25 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बेंचमार्क निफ्टी भी 117.80 अंक उछलकर 23,446.80 के स्तर पर बंद हुआ। ।बड़े शेयरों के साथ-साथ, मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 50 सूचकांक भी 101 अंकों की प्रभावशाली बढ़त के साथ 17,979.65 अंक पर बंद हुआ। यह दिखाता है कि निवेशकों की रुचि केवल बड़े शेयरों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि मझोले आकार की कंपनियों में भी वह निवेश कर रहे थे। शीर्ष लाभ कमाने वाले शेयरों में सेल (6.57 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा, जिसके बाद पीबी फिनटेक ने 4.23 फीसदी और 360 वन वाम ने 3.86 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। इन कंपनियों के शेयरों में आई उछाल ने संबंधित क्षेत्रों में सकारात्मक भावनाओं को बल दिया। इनके अलावा, बंधन बैंक के शेयरों में 3.62 फीसदी और मोतीलाल ओसवाल में 3.53 फीसदी की तेजी ने भी निवेशकों का ध्यान खींचा।हालांकि, एक मजबूत दिन के बावजूद, कुछ शेयर दबाव में रहे और लाल निशान पर बंद हुए। शीर्ष गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में आइनॉक्स विंड 3.70 फीसदी, एथर एनर्जी 2.88 फीसदी और परसिस्टेंट 2.35 फीसदी की गिरावट के साथ शामिल थे। इसके अतिरिक्त, वन 97 पेटीएम और स्विगी) के शेयरों में भी क्रमशः 2.17 फीसदी और 1.95 फीसदी की कमी आई। इन शेयरों में गिरावट के पीछे कंपनी-विशिष्ट कारण या निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली हो सकती है, जो बाजार की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह संसेक्स लगभग 200 अंकों की बढ़त के साथ खुला, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी में भी तेजी रही।

दिल्ली में अब बिना वैध सर्टिफिकेट वाहन में नहीं भरी जाएगी सीएनजी

सुरक्षा के मद्देनजर आईजीएल ने शुरू किया वेरिफिकेशन सिस्टम

नई दिल्ली।

दिल्ली में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कई सीएनजी स्टेशनों पर एक ऑटोमेटेड व्हीकल वेरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया है, जिसके बाद अब बिना ज्यादा जांच के सीएनजी भरवाना मुश्किल हो सकता है। यह नया सिस्टम तय करेगा कि आपकी गाड़ी में सीएनजी तभी भरी जाए जब आपके सीएनजी सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट सर्टिफिकेट वैध हो। इस नए सिस्टम के तहत जब कोई वाहन चालक सीएनजी भरवाने पंप पर जाएगा, तो पहले की तरह सीधे सीएनजी नहीं भरी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक सीएनजी स्टेशन पर लगे कैमरे गाड़ी की नंबर प्लेट स्कैन करेंगे और सिस्टम सीएनजी सिलेंडर से जुड़ी जानकारी की जांच करेगा। यदि सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट सर्टिफिकेट वैध नहीं पाया जाता है, तो वाहन चालक की गाड़ी में सीएनजी नहीं भरी जाएगी। आईजीएल ने फिलहाल 10 स्टेशनों पर यह ऑटोमेटेड व्हीकल वेरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य गैस लीकेज और ब्लास्ट जैसे खतरों को रोकना और सुरक्षा तय करना है। इसलिए, सीएनजी गाड़ी चलाने वालों को यह तय करना होगा कि वे अपने सीएनजी सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट समय पर करवाएं और उसका सर्टिफिकेट हमेशा वैध रखें। यह आपके और आपकी गाड़ी की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक सीएनजी भरवाने जाने से पहले अपने सिलेंडर के सर्टिफिकेट की वैलिडिटी जांच लेना समझदारी होगी, ताकि आपको कोई परेशानी न हो। एआई सिस्टम की मदद से गाड़ी की जानकारी को सीएनजी सिलेंडर के रिकॉर्ड से मिलाया जाएगा और पीईएसओ के ऑनलाइन पोर्टल से सिलेंडर का सर्टिफिकेट वैध है या नहीं, यह देखा जाएगा।

चाहकर भी कोई सरकार कृषि उत्पादों की कीमतें तय नहीं कर सकती

चीनी की कीमतों में उतार-चढ़ाव को लेकर गडकरी ने साफ कर दिया

नई दिल्ली।

देश में चीनी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और चीनी उद्योग द्वारा मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ाने की मांग के बीच केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार चीनी या अन्य कृषि उत्पादों के दाम तय नहीं कर सकती। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हम एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में हैं, जहां चाहकर भी कोई सरकार कृषि उत्पादों की कीमतें तय नहीं कर सकती। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि चीनी के दाम ब्राजील, मक्के के दाम अमेरिका और पाम ऑयल की कीमतें मलेशिया में तय होती हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए किसानों के लिए ऐसी मांगों को उठाना आसान होता है, लेकिन सत्ता में रहने पर इन्हें व्यावहारिक रूप से लागू करने में कठिनाइयां होती हैं। वैश्विक बाजार का गणित समझाते हुए उन्होंने बताया कि ब्राजील में 2,000 से 3,000 एकड़ के बड़े फार्म हैं और वहां आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल होता है। इस वजह से ब्राजील में चीनी बनाने की लागत महज 23 रुपए प्रति किलो आती है, जबकि भारत में यह लागत 33 से 34 रुपए प्रति किलो पड़ती है। ब्राजील में अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होते ही भारत में कीमतें अपने आप गिर जाती हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने चीनी उद्योग और किसानों को केवल चीनी बिक्री पर निर्भर न रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए गन्ने के अन्य सह-उत्पादों का इस्तेमाल करना जरूरी है।

स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेशन जरुरी

भारत में ऐसे प्रोडक्ट बेचने से पहले कंपनियों को लेनी होगी रेगुलेटरी मंजूरी

नई दिल्ली।

सरकार ने स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेशन जरुरी कर दिया है। इसके तहत भारत में ऐसे प्रोडक्ट बेचने से पहले कंपनियों को रेगुलेटरी मंजूरी लेनी होगी। इस कदम से खराब क्वालिटी वाले स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर की बिक्री पर रोक लगने और ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम जैसी घरेलू कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिन्होंने भारत में प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। 21 सितंबर को जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी गुड्स ऑर्डर, 2021 के नियम उन सामानों या चीजों पर लागू होंगे जो स्मार्टफोन के लिए स्क्रीन प्रोटेक्टर में बताए गए हैं।

इस नोटिफिकेशन के ज़रिए इन्हें ऑर्डर की लिस्ट में जोड़ा गया है, ताकि ये कॉलम 3 में बताए गए संबंधित भारतीय स्टैंडर्ड के अनुरूप हों। यह नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा।

स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर इस नियम के तहत नोटिफाई की जाने वाली 66वीं चीज है। इस लिस्ट में शामिल अन्य चीज़ों में स्मार्टफोन, लैपटॉप, मोबाइल और लैपटॉप चार्जर, एलईडी टेलीविज़न, माइक्रोवेव ओवन, प्रिंटर और सेट-टॉप बॉक्स वगैरह शामिल हैं। स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए जरूरी बीआईएस स्टैंडर्ड लागू करना इस कैटेगरी के लिए एक अहम पड़ाव है और यह क्वालिटी पर आधारित मेड-इन-इंडिया इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

ऑप्टिमस ने नोएडा में एक प्रोडक्शन यूनिट लगाई है, जहां अमेरिकी मटीरियल टेक्नोलॉजी कंपनी कॉर्निंग की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर बनाए जाएंगे। कंपनी को उम्मीद है कि जनवरी 2027 से इनकी शिपिंग शुरू हो जाएगी।

कंपनी को चालू वित्त वर्ष में अपने टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर बिज़नेस से 1,800-2,000 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलने की उम्मीद है। मोबाइल डिवाइस बनाने वाली कंपनियों के संगठन आईसीईए के चेयरमैन ने कहा कि 1 अप्रैल 2027 से जरूरी बीआईएस सर्टिफिकेशन लागू होने से ग्राहकों को घटिया क्वालिटी वाले प्रोडक्ट से सुरक्षा मिलेगी और साथ ही घरेलू मैन्युफैक्चरर्स और ग्लोबल कंपनियों के लिए समान अवसर तैयार होगा।उन्होंने कहा कि सालाना 50 करोड़ से ज़्यादा यूनिट के मार्केट के साथ यह कदम 12,000-16,000 करोड़ रुपए की क्वालिटी-बेस्ड इंडस्ट्री को बढ़ावा देगा।

करीब 60,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेगा और जीएसटी रेवेन्यू में अनुमानित 2,000 करोड़ रुपए का योगदान देगा।

इससे स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के तौर पर भारत की क्षमता भी मज़बूत होगी। अनुमान है कि 2025 में टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर का घरेलू मार्केट 40 करोड़ पीस का होगा, जिसकी रिटेल वैल्यू 20,000 करोड़ होगी।

सितंबर में भारतीय अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार:पीएमआई 3 माह के शीर्ष स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

सितंबर में भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियां तीन महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था में नई गति का संकेत है। बुधवार को जारी एचएसबीसी फ्लैश परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सर्वे के अनुसार, यह इंडेक्स अगस्त के 54.3 से बढ़कर 56.5 हो गया है। यह लगातार 62वां महीना है जब पीएमआई 50 के विस्तार निशान से ऊपर बना हुआ है, जो आर्थिक वृद्धि का सूचक है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस, दोनों सेक्टर में उत्पादन में सुधार ने उछाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सर्वे में बताया गया कि सितंबर के दौरान भारत के निजी क्षेत्र की कंपनियों में कुल नए व्यवसाय में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई, खासकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जहां मांग में सबसे अधिक सुधार देखा गया। सर्विस सेक्टर में भी प्रॉपर्टी, ट्रांसपोर्ट, ट्रैवल, सॉफ्टवेयर और डिजिटल सॉल्यूशंस जैसी सेवाओं की मांग बढ़ी। सामान बनाने वाली कंपनियों ने एल्युमीनियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाने-पीने की चीजों, दवाओं और नए प्रोडक्ट मॉडल की मांग में तेजी देखी। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त के 52.8 से बढ़कर सितंबर में 55.7 हो गया, जबकि फ्लैश इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स 54.1 से बढ़कर 55.8 पर पहुंच गया। बढ़ते उत्पादन और नए ऑर्डरों के कारण कुल रोजगार में भी बढ़ोतरी हुई, जो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस दोनों क्षेत्रों में करीब समान रही। इस सकारात्मक माहौल के बीच, निजी क्षेत्र में इनपुट लागत की वृद्धि दर जनवरी के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गई, सर्विस कंपनियों के लिए लागत दबाव में कमी ने मैन्युफैक्चरर्स की लागत वृद्धि के प्रभाव को संतुलित किया। सितंबर में कंपोजिट स्तर पर बिक्री कीमतों में बढ़ोतरी करीब वैसी ही रही, हालांकि फैक्ट्री गेट चार्जेस में तेजी देखी गई। एचएसबीसी की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बताया, इनपुट की खरीद में तेजी आई है और तैयार माल के स्टॉक का इंडेक्स अब साढ़े 11 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है, जो भविष्य की मांग के प्रति विश्वास को दिखाता है। मैन्युफैक्चरर्स के लिए कीमतों का दबाव बढ़ा है और आउटपुट की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने बताया कि कंपनियां मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण अनिश्चितताओं से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय बना रही हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.74 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया तेजी के साथ खुला। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले पांच पैसे बढ़कर 95.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट और एशियाई मुद्राओं में व्यापक सुधार से भी रुपए को बल मिला है। वहीं विदेशी मुद्रा बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और भू-राजनीतिक घटनाक्रम आगे चलकर मुद्रा बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है। इससे आयात बिल का दबाव कम होता है। इसी दौरान अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद डॉलर में लगातार मजबूती और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भारतीय इक्विटी बाजार से लगातार बिकवाली से भी रुपये की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं।आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपया 95.58 प्रति डॉलर पर खुला। दिन के कारोबार में यह 95.57 के स्तर तक पहुंचा, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। गौरतलब है कि मंगलवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

अगस्त में घरेलू हवाई यातायात घटा, स्पाइसजेट और इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी में कमी

मुंबई ।

भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात ने अगस्त महीने में सालाना आधार पर 6.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जिससे कुल 1.21 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों में जानकारी सामने आई है, जो विमानन उद्योग के लिए एक मिश्रित तस्वीर दिखाती है। इस अवधि के दौरान, कुछ प्रमुख एयरलाइंस की बाजार हिस्सेदारी में महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दिए।

परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही स्पाइसजेट की हिस्सेदारी जुलाई के 1.6 से घटकर अगस्त में मात्र 1.2 प्रतिशत रह गई, जो उसकी मुश्किलों को दिखाती है। वहीं, प्रमुख वाहक इंडिगो को भी अपनी हिस्सेदारी में गिरावट का सामना करना पड़ा, जो जुलाई के 67.4 प्रतिशत से घटकर बीते महीने 65 प्रतिशत हो गई। हालांकि, इंडिगो अभी भी घरेलू विमानन बाजार में अग्रणी बनी हुई है। इसके विपरीत, एयर इंडिया ने अपनी स्थिति मजबूत की, उसकी हिस्सेदारी जुलाई के 24 से बढ़कर अगस्त में 26.7 प्रतिशत हो गई। अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

अगस्त में इंडिगो ने 78.87 लाख यात्रियों के साथ शीर्ष स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एयर इंडिया समूह रहा, जिसने 32.32 लाख यात्रियों को सेवा दी, जबकि अकासा एयर ने 6.68 लाख यात्रियों के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा। स्पाइसजेट ने महीने के दौरान 1.40 लाख यात्रियों को यात्रा कराई। आंकड़ों के अनुसार, ऑन-टाइम परफॉरमेंस (ओटीपी) के मामले में, इंडिगो 91 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद अकासा एयर 90.5 प्रतिशत और एयर इंडिया समूह 83.9 प्रतिशत के साथ रहा।

इस बीच, नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने हाल ही में कहा कि डीजीसीए स्पाइसजेट के वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन पर करीब से नजर रख रहा है।

भारत की बेटियां बना रही हैं आईफोन:उत्पादन में 80 प्रतिशत महिला कर्मचारी

मुंबई ।

आज दुनिया भर में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ी है, लेकिन भारत ने इस मामले में एक नया कीर्तिमान बनाया है, खासकर आईफोन जैसे वैश्विक उत्पाद के निर्माण के क्षेत्र में। देश में आईफोन बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक फॉक्सकॉन में 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी भारत की बेटियां हैं, जो स्मार्टफोन के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं। यह आंकड़ा भारतीय कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती शक्ति और उनके योगदान को दिखाता है।

यह स्थिति फॉक्सकॉन के तमिलनाडु स्थित प्लांट में विशेष रूप से देखने को मिलती है, जहां 2024 के आंकड़ों के अनुसार कुल 41,281 कर्मचारियों में से 33,360 महिलाएं हैं। इस तरह, बेंगलुरु के देवनहल्ली में स्थित फॉक्सकॉन के एक अन्य प्लांट में बीते साल तक कार्यरत करीब 30,000 लोगों में से 80 प्रतिशत यानी करीब 24,000 महिलाएं थीं। यह आंकड़ा न केवल कंपनियों के भीतर महिलाओं की मजबूत उपस्थिति को दिखाता है, बल्कि उनके लिए रोजगार के व्यापक अवसरों का भी संकेत देता है।यह सिर्फ फॉक्सकॉन तक सीमित नहीं है। भारत में एप्पल के पूरे इकोसिस्टम की बात करें, जिसमें फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं, करीब 1.40 लाख नई नौकरियां पैदा हुई हैं।

आरबीआई का बड़ा फैसला: हड़ताल के बीच रविवार को बैंक ओपन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महत्वपूर्ण कदम उठाकर आगामी रविवार, 27 सितंबर को भी बैंक शाखाएं, कार्यालय, एटीएम लिंक्ड ब्रांच और करेंसी चेस्ट खोलने की अनुमति दे दी है। यह फैसला ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखकर लिया गया है, ताकि उन्हें संभावित लंबी बैंकिंग बाधा का सामना न करना पड़े।

दरअसल, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का ऐलान किया है। इसके पहले, 26 सितंबर को शनिवार और 27 सितंबर को रविवार की साप्ताहिक छुट्टी थी। यदि रविवार को भी बैंक बंद होते, तब आम ग्राहकों को लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सेवाओं से वंचित रहना पड़ता, इससे नकदी संकट और अन्य महत्वपूर्ण लेनदेन में भारी परेशानी आ सकती थी।

इसी संभावित कठिनाई को देखकर आरबीआई ने यह आपातकालीन निर्णय लिया है। आरबीआई ने इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) को लिखे अपने पत्र में साफ किया है कि जनता की वास्तविक बैंकिंग जरूरतों पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ना चाहिए। बैंकों को कानूनी प्रावधानों का पालन करते हुए सुनिश्चित करने को कहा गया है कि 27 सितंबर को उनकी शाखाएं और करेंसी चेस्ट पूरी तरह से चालू रहें।

निजी क्षेत्र और विदेशी बैंकों के करेंसी चेस्ट की सूची भी अलग से भेजी गई है, ताकि सभी आवश्यक सेवाएं सुचारु रूप से चल सकें।

बैंक ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे नकदी निकालना, जमा करना या अन्य महत्वपूर्ण लेनदेन जैसे अपने जरूरी काम 27 सितंबर को ही निपटा लें। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इसके बाद तीन दिनों तक बैंकों में सामान्य कामकाज प्रभावित हो सकता है, जिससे अगले कई दिनों तक वित्तीय लेन-देन में रुकावट आने की आशंका है। यह कदम ग्राहकों को आगामी हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा से बचाने के लिए उठाया गया है।

चीनी के खुदरा दामों में 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट

लोगों को मिली राहत, बढ़ते भावों ने आम जनता की बढ़ा दी थी चिंता

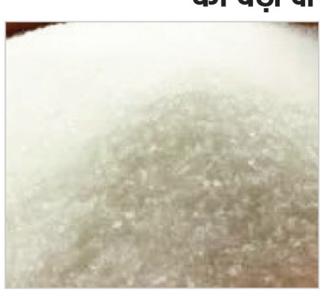

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में चीनी के बढ़ते भावों ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी थी, क्योंकि इस दौरान मिठाईयों और अन्य पकवानों में चीनी की खपत ज्यादा होती है। अब लगता है कि स्थिति नियंत्रण में आ रही है, क्योंकि चीनी के दामों में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में चीनी की खुदरा कीमत में कमी आई है। चीनी मंडी के आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त से 21 सितंबर के बीच खुदरा चीनी के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली, कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में खुदरा चीनी के भाव में 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट देखी गई है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है।यह गिरावट केवल खुदरा बाजार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चीनी के थोक भाव में भी काफी कमी आई है। इसी अवधि के दौरान अलग-अलग शहरों में थोक कीमत 1,600 रुपए प्रति क्विंटल से 2,000 रुपए प्रति क्विंटल तक कम हुई हैं। यह थोक गिरावट सीधे तौर पर खुदरा कीमतों को प्रभावित करती है, जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होता है। सरकार ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि चीनी की बढ़ती कीमतों से अब थोड़ी राहत मिली है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में खुदरा चीनी की कीमतें करीब 65 रुपए प्रति किलो थीं, जो अब घटकर करीब 58.50 रुपए प्रति किलो रह गई हैं। इसके अलावा, एक्स-मिल कीमतों में भी करीब 25फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। जब खुदरा और थोक दोनों कीमतों में कमी आई है, तो यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले कुछ दिनों में जनता तक पहुंचने वाली चीनी की अंतिम कीमतों में भी और गिरावट देखने को मिलेगी।

दिल्ली में जुटे देशभर के उलेमा, मस्जिद गिराने और धार्मिक आजादी के मुद्दे पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की मौजूदा स्थिति, मस्जिद गिराने, संविधान के उल्लंघन और धार्मिक स्वतंत्रता पर मंडराते खतरों को देखते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक आपात बैठक बुलाई है। बुधवार को दिल्ली में जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में बैठक हो रही है, देश के तमाम मौलाना और जमीयत से जुड़े हुए लोग शिरकत कर रहे हैं। बैठक के मुख्य एजेंडे में प्रशासन और न्यायपालिका के कुछ हालिया फैसलों और कदमों के संदर्भ में शरीयत के मामलों में बढ़ते हस्तक्षेप का मुद्दा प्रमुखता से शामिल है। इसके साथ ही देश में धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण, मस्जिदों के विध्वंस और इस्लामी मदरसों के सामने उत्पन्न चुनौतियों की समीक्षा की जाएगी। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने साफ किया है कि संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, धार्मिक स्वतंत्रता और सभी नागरिकों के समान अधिकारों का संरक्षण ही देश की एकता और अखंडता की मूल बुनियाद है। संगठन के मुताबिक वर्तमान परिस्थितियां बहुत ही चिंताजनक हैं और इन पर गंभीर मंथन करना जरुरी है। कार्यकारिणी की इस बैठक में इन तमाम मुद्दों पर सामूहिक रूप से विचार-विमर्श के बाद आगे की रणनीति और ठोस कार्ययोजना के संबंध में बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

मणिपुर में 2.1 किलोग्राम 'याबा' टैबलेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों के एक संयुक्त अभियान में मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले से 2.1 किलोग्राम कृत्रिम मादक पदार्थ 'याबा' जब्त करने के साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक संयुक्त टीम ने मंगलवार को मंत्रीपुखरी में बस के एक यात्री को रोका और 20,000 'याबा' गोलियां जब्त कीं जिनका कुल वजन करीब 2.1 किलोग्राम है। अधिकारी ने बताया कि थाई में 'याबा' का अर्थ 'उन्मादी प्रदान करने वाली दवा है। इसमें कैफीन और मेथामफेटामीन होता है, जो 'नियंत्रित पदार्थ अधिनियम' के तहत 'अनुसूची दो' का पदार्थ है। एक अन्य अभियान में राज्य पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने काकचिंग जिले के वाइखोंग पुलिस थाने के अंतर्गत लमजाओ मयाई लीकाई इलाके से प्रतिबंधित 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी' के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा है। अधिकारी ने बताया कि उसकी पहचान मैबम गुनामणि के तौर पर हुई है।

17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज सहमा

-कॉलेज की प्रिंसिपल ने आनलाइन क्लासेस कीं शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय एक नाबालिग किशोरी के साथ हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की खौफनाक घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध किया है। इस दरिंदगी ने फिर महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। दिल दहला देने वाली घटना के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन (एलएसआर) ने अपनी नियमित कक्षाएं रद्द की और बुधवार की सभी शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड पर स्थानांतरित कर दिया। उल्लेखनीय है कि लेडी श्रीराम कॉलेज घटना स्थल से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कॉलेज की प्रिंसिपल कनिका के. आहूजा ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिलने के बाद ही उन्होंने कक्षाएं रद्द करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनके छात्रों की सुरक्षा और भलाई उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। प्रिंसिपल ने अपने फैकल्टी मेंटर्स और कॉलेज काउंसलर को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह की जरूरत पड़ने पर छात्रों की मदद के लिए उपलब्ध रहें।

चक्रवात अर्नब का पूर्वी तट पर भीषण खतरा : आंध्र, ओडिशा में हाई अलर्ट, स्कूल बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव अब शक्तिशाली चक्रवाती तूफान अर्नब में बदल गया है, जो भारत के पूर्वी तटीय इलाकों की ओर तेजी से आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि चक्रवात अर्नब के 23 सितंबर की शाम 5 बजे से 24 सितंबर की सुबह 5 बजे के बीच तट से टकराने की प्रबल आशंका है। संभावना है कि यह 23 सितंबर की आधी रात से पहले विशाखापत्तनम और गोपालपुर के बीच उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तट को पार करेगा। इस भीषण खतरे को देखकर ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है और राष्ट्रीय व राज्य आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ/एसडीआरएफ) की टीमें तटीय क्षेत्रों में तैनात कर दी गई हैं। चक्रवात का असर केवल ओडिशा-आंध्र तट तक सीमित नहीं रहेगा। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के तटीय ज़िलों में भी भारी बारिश और तेज़ हवाओं का अलर्ट जारी किया है, जहां 25 सितंबर तक खराब मौसम की चेतावनी दी गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। बिहार में भी 23 से 28 सितंबर के बीच मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है, जिसमें कई इलाकों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चलेंगी।

विपक्ष ने कहा- एसआईआर पर चुनाव आयोग में भारी घमासान

आयोग ने कहा- सभी की सहमति से लिया फैसला, मतभेद नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।
हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद चुनाव आयोग के भीतर फैसलों को लेकर चल रहे कथित मतभेदों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एसआईआर प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा अन्य दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के बीच आंतरिक असहमति रही है। इस खुलासे के बाद राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि, चुनाव आयोग के आधिकारिक सूत्रों ने इन सभी मतभेदों की खबरों का पूरी तरह से खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि आयोग के सभी फैसले आपसी सहमति और सर्वसम्मति से ही लिए गए हैं, जिसमें सभी सदस्यों की पूर्ण मंज़ूरी शामिल रही है।

सूत्रों के हवाले से यह भी सामने आया था कि आयुक्तों ने नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने, चुनावी डेटा की सुरक्षा, आईटी सिस्टम और फॉर्म-6 में बदलाव जैसे विभिन्न मुद्दों पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई थीं। पश्चिम बंगाल में लंबित अपीलों और सॉफ्टवेयर से जुड़ी समस्याओं पर भी सवाल उठाए जाने की बात कही गई थी। इन आंतरिक चर्चाओं और रिपोर्टों के आधार पर विपक्षी दलों ने आयोग को घेरना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस स्थिति को लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि संस्था के सदस्यों को निष्पक्ष रूप से काम करने की स्वतंत्रता नहीं है, तो यह गंभीर विषय है। वहीं, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी मतदाता सूची के प्रबंधन और डिजिटल सिस्टम के केंद्रीय नियंत्रण को लेकर सवाल उठाए हैं, जिससे प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में बहस और अधिक तेज हो गई है।

इन तमाम विवादों और चर्चाओं के बीच, चुनाव आयोग ने 2023 के कानून की धारा 18 का हवाला देते हुए अपने कामकाज की पारदर्शिता को रेखांकित किया है। आयोग का कहना है कि जहां तक संभव हो कार्य सर्वसम्मति से किया जाता है और बैठकों के दौरान अलग-अलग राय सामने आना तथा अंतिम निर्णय लिया जाना दो अलग बातें हैं। आयोग ने दोहराया है कि एसआईआर से जुड़े सभी निर्णय सभी सदस्यों की सहमति से ही तय किए गए हैं। एक तरफ जहां आधिकारिक सूत्रों ने किसी भी तरह के मतभेद से साफ इनकार किया है, वहीं दूसरी तरफ विभिन्न मुद्दों पर सामने आ रही आपत्तियों की चर्चाओं ने संस्था की कार्यशैली को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है, जिस पर राजनीतिक दलों की पैनी नजर बनी हुई है।

एसआईआर पर खुलासे से बवाल, प्रशांत भूषण बोले- ज्ञानेश कुमार को हटाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दावा किया गया है कि चुनाव आयोग के भीतर ही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग के तीन सदस्यों के पैनल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी शामिल हैं। इनमें से दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों के दौरान कम से कम चौदह बार इस प्रक्रिया और नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम हटाने तथा बहाल करने जैसे महत्वपूर्ण मसलों पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस आंतरिक असहमति के सार्वजनिक होने के बाद से ही विपक्षी दलों के साथ-साथ कानूनी हलकों में भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस खुलासे के बाद वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने सोशल मीडिया के माध्यम से तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य सदस्यों के विरोध के बावजूद मनमाने और गैर-कानूनी तरीके से निर्देश जारी किए, जिसके कारण भारी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए हैं। उन्होंने मांग की है कि इस पूरे गंभीर प्रकरण पर सर्वोच्च न्यायालय को स्वत: संज्ञान लेना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल पद से हटाते हुए उन पर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह विवाद ऐसे समय में तूल पकड़ रहा है जब विभिन्न राज्यों में चुनावी सरगर्मियों के बीच एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई है कि बड़ी संख्या में जारी किए गए नोटिस मशीन जनित प्रतीत होते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह गहराता जा रहा है।

दिल्ली में धार्मिक टिप्पणी विवाद: अदालत ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली की एक अदालत ने हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े एक गंभीर विवाद में दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। यह मामला एक छात्र-कार्यकर्ता और उनके पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग से जुड़ा है। भाजपा से जुड़ी अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने आरोप लगाया है कि इन दोनों ने सोशल मीडिया पर जानबूझकर ऐसा कंटेंट पोस्ट किया है, जिसमें हिंदू देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक और आपत्तिजनक बातें कही गई हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

दिल्ली की अदालत ने दिल्ली पुलिस को संवेदनशील मामले में अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा, यानी कार्रवाई रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) पेश करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता सचदेवा ने पहले दिल्ली पुलिस के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उनका कहना था कि पुलिस की ओर से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इसकारण उन्होंने न्याय के लिए अदालत का रुख किया और एफआईआर दर्ज करने की याचिका दाखिल की। मुख्य महानगर दंडाधिकारी (सीजेएम) मृदुल गुप्ता की अदालत में याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखक दिल्ली पुलिस को न केवल अपना जवाब दाखिल करने को कहा, बल्कि यह भी निर्देश दिया कि वह अपनी कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस की रिपोर्ट का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के बाद ही यह अंतिम फैसला लिया जाएगा कि एफआईआर दर्ज की जाए या नहीं।

राम मंदिर दान चोरी केस में 7000 पन्ने की चार्जशीट दाखिल

चंपत राय और अनिल मिश्रा का नाम शामिल नहीं

अयोध्या, एजेंसी।
राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर आठों आरोपियों के खिलाफ एंटी करप्शन कोर्ट में 7 हजार पन्नों से अधिक की विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। विवेचक बुधवार सुबह बड़े-बड़े बक्सों में चार्जशीट लेकर कोर्ट पहुंचे, जिसमें आरोप पत्र के साथ-साथ बैंक स्टेटमेंट और बैंक की जमा पर्चियां भी मौजूद थीं। इस चार्जशीट में राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा का नाम न होने पर मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं ने गहरी नाराजगी और असंतोष जताया है।

दाखिल की गई इस चार्जशीट में कुल 173 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं और इसमें 105 बार चोरी होने का जिक्र किया गया है। इसके अलावा, रिकॉर्ड की गई जांच में 803 चीजों का रिकॉर्ड पूरी तरह सही पाया गया है, जबकि 86 कीमती चीजों की रसीद नहीं मिल सकी है। पुलिस द्वारा आरोपियों के पास से कार, गहने और 79.85 लाख रुपये नकद बरामदगी का भी चार्जशीट में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई पिछली सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को जानकारी दी थी कि एसआईटी इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करेगी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर मूल्यवान चढ़ावे से संबंधित लगाए गए सभी आरोपों का गहन सत्यापन किया था। एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के गिनती कक्ष के सीसीटीवी फुटेज और अन्य डिजिटल आंकड़ों से यह स्पष्ट हुआ कि गिनती प्रक्रिया में शामिल कुछ लोगों की मिलीभगत से कक्ष से नकदी को अनधिकृत रूप से निकालने या छिपाने के 105 मामले सामने आए थे।

चार्जशीट और एसआईटी की रिपोर्ट में कुल आठ आरोपियों की पहचान की गई है, तथा उनके बैंक खातों में जमा उस रकम का पूरा ब्यौरा दिया गया है जिसका कोई स्पष्ट स्रोत नहीं मिल सका है। इसके साथ ही, उन सभी चल और अचल संपत्तियों की जानकारी भी सार्वजनिक की गई है जिनमें चोरी का अवैध पैसा लगाया गया था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और अधिवक्ताओं द्वारा नाम शामिल न किए जाने पर लगातार तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

जिसकी विरोधी रहीं सायोनी अब उसी भाजपा के लिए मांगेंगी वोट

बंगाल उपचुनावों में नए समीकरण बनते दिख रहे

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ सामने आया है, जहां अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखर आलोचक सायोनी घोष अब भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करती दिख सकती हैं। नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में भाजपा का समर्थन करने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अरूप रॉय की डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने भी इन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिससे मुकाबला और भी त्रिकोणीय हो गया है। फिलहाल, एनसीपीआई ने अपने नेताओं के नामों का ऐलान नहीं किया है, जो भाजपा के लिए प्रचार करेंगे।

एनसीपीआई, जिसमें ममता बनर्जी से अलग हुए 20 बागी सांसद शामिल हैं, ने खुद को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) का दूसरा सबसे बड़ा भागीदार बताया है। पार्टी ने कहा है कि चूंकि उनके पास कोई उम्मीदवार नहीं है, इसलिए उन्होंने भाजपा के समर्थन में प्रचार करने का फैसला किया है। एनसीपीआई का दावा है कि एनडीए में वे भाजपा के बाद सबसे बड़े दल हैं। पार्टी अध्यक्ष ज्योति प्रकाश चटर्जी ने इस फैसले को राज्य के भविष्य से जोड़ा। उन्होंने कहा, एनसीपीआई एनडीए में भाजपा के बाद सबसे बड़ा साझेदार है। जिस तरह से हमारे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री राज्य के लिए काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि लंबे समय से चली आ रही टकराव की स्थिति से अब राज्य के लोगों को छुटकारा मिलना चाहिए। अब टकराव का समय नहीं है, बल्कि साथ मिलकर काम करने का समय है। उन्होंने आने वाले समय में एक बड़ी बैठक की भी घोषणा की, जिसमें केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के शामिल होने की बात कही गई। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि इस समर्थन का मतलब किसी चुनावी गठबंधन से नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता सायंतन बसु ने कहा, यह अच्छी बात है कि एनसीपीआई ने भाजपा के लिए प्रचार करने का फैसला किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बंगाल में भाजपा और एनसीपीआई का कोई चुनावी गठबंधन हो सकता है या भविष्य में किसी भी तरह से सीटों का बंटवारा हो सकता है। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने इन उपचुनावों को ममता बनर्जी के खिलाफ सीधी लड़ाई माना है। पार्टी नेता संदीपन साहा ने कहा कि यह चुनाव साबित कर देगा कि असली तृणमूल वे ही हैं, क्योंकि ममता गुट की उम्मीदवार मुकाबले से पीछे हट गई हैं। इस बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस भी राज्य में तृणमूल कांग्रेस में टूट का फायदा उठाने की कोशिश में है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि उनकी पार्टी को अब तृणमूल की जगह लेनी चाहिए और भाजपा विरोधी सभी मतदाताओं, खासकर अल्पसंख्यक मतदाताओं की स्वाभाविक पसंद के रूप में उभरना चाहिए।

लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा और राज्य का दर्जा दिलाने वांगचुक की पदयात्रा

कहा-हमने जब भी हक, संस्कृति संरक्षण की मांग की तो अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं

नई दिल्ली, एजेंसी।
एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक बुधवार को लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को दोहराने के लिए 20 किमी की पदयात्रा करने वाले हैं। उन्होंने पोस्ट शेयर करके इसकी जानकारी दी थी। ये पदयात्रा लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा और राज्य का दर्जा दिलाने की मांग में की जा रही है। वांगचुक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कहते हैं इस महीने को शहीदों के महीने के रूप में मना रहे हैं। इसके लिए वह श्यामवैली में इकट्ठे हुए हैं। ये वही वैली है जो बटालिक के पास है, जिसमें कारगिल युद्ध में बहुत से जवानों ने जानें दी और लोगों ने बिना वर्दी के भारत की रक्षा की।

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जब भी लोकतंत्र की मांग की पर्यावरण, हक और संस्कृति के संरक्षण की मांग की तो हम पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं! पिछले साल 24 सितंबर को गोलियां चलाई गईं जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी उन शहीदों को याद करते हुए हम एपेक्स बॉडी में हम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने आए हैं। सरकार ने जो ज्यूडिशियल इंक्वायरी बैठाई है उसका जल्द से जल्द नतीजा आना चाहिए, साथ ही जो शहीद हुए हैं उन लोगों को सिर्फ 15-15 लाख के मुआवजे की बात कही गई है जो बहुत ही कम है और एक तरह का अपमान है। हम सभी लोगों की सरकार से अपील है कि जैसे देश के सभी हिस्सों में हो रहा है वैसा ही हमारे लद्दाख के शहीदों को भी एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए। वांगचुक ने ये पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- लद्दाख देश को बुला रहा है। लद्दाख के लोग हमेशा देश के साथ खड़े रहे हैं और अब समय आ गया है कि देश लद्दाख के साथ खड़ा हो। 23 सितंबर को लेह की ओर एक ऐतिहासिक और शांतिपूर्ण पदयात्रा होगी। 24 सितंबर को एलबीए की ओर से उन 5 लोगों की याद में सर्व-धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी, जिनकी पिछले साल अंधाधुंध गोलीबारी में मौत हो गई थी। हम आपके साथ और कई पत्रकारों व यूट्यूब के साथ पदयात्रा करने के लिए उत्सुक हैं। हमें उम्मीद है कि वे हमारा संदेश देश तक पहुंचाएंगे।

यूसीसी कोई कानूनी सुधार नहीं, विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का हथियार

-कांग्रेस का आरोप- केंद्र सरकार ने विधि आयोग के निष्कर्षों को कर दिया नजरअंदाज

नई दिल्ली,, एजेंसी।
कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार और बीजेपी के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कोई कानूनी सुधार नहीं है, बल्कि ''विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार'' और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए गठित राज्य सरकार की समिति से बंबई हाईकोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश के इस्तीफे और समिति के कामकाज को लेकर उठाए गए सवालों का हवाला देते हुए कहा कि इससे कई ''बड़े सवाल'' खड़े होते हैं। उन्होंने एक बयान में सवाल किया कि क्या संविधान सभा ने कभी ऐसी स्थिति की कल्पना की थी, जिसमें हर राज्य अपनी अलग समान नागरिक संहिता बनाए? रमेश ने कहा कि इसका जवाब है बिल्कुल नहीं।''

रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि 17 जून 2016 को मोदी सरकार ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे को विस्तृत अध्ययन के लिए भारत के 21वें विधि आयोग के पास भेजा था। उन्होंने कहा कि व्यापक अध्ययन के बाद आयोग ने 31 अगस्त 2018 को 'पारिवारिक कानून में सुधार' पर अपना परामर्श पत्र जारी किया था। उन्होंने कहा कि परामर्श पत्र के पृष्ठ सात के अनुच्छेद 1.15 में आयोग का निष्कर्ष स्पष्ट था कि ''इस स्तर पर समान नागरिक संहिता बनाना न तो जरुरी है और न ही वांछनीय। रमेश ने कहा कि इसके बजाय विधि आयोग ने भारत की कानूनी और सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए अलग-अलग पारिवारिक कानूनों में मौजूद भेदभाव को दूर करने की सिफारिश की थी।

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उसी विधि आयोग के निष्कर्षों को नजरअंदाज कर दिया, जिसे उसने इस मुद्दे की जांच का जिम्मा सौंपा था। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में बीजेपी शासित कई राज्यों ने अपनी-अपनी समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम उठाए हैं। रमेश ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए के बाकी दलों की आवाज दबा दी गई है और बीजेपी उन्हें ''चुप करा रही है।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के लिए समान नागरिक संहिता ''कोई ऐसा कानूनी सुधार नहीं है, जिसे पूरी तरह सोच-विचार के बाद, ज्यादा से ज्यादा व्यापक विचार-विमर्श और सार्वजनिक बहस के जरिए और अधिकतम संभव सहमति के साथ लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि असल में यह विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार है, लोगों को परेशान करने और डराने का जरिया है, पूर्वाग्रहों को भड़काने और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है।